दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-104 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 30 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट में नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई, कोर्ट ने कहा- जवाबदेही तय होना जरूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट प्रश्न पत्र लेकर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि पूर्व इसरो चेयरमैन के नेतृत्व वाली कमेटी ने अपना जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दिया है। यह सुनवाई जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच द्वारा की जा रही है। याचिकाओं में मांग की गई है कि परीक्षा को नए सिरे से कराने के लिए एक हाई पावर कमेटी गठित की जाए और नीट परीक्षा सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में कराई जाए। पूर्व इसरो चेयरमैन के. राधाकृष्णन ने कहा कि एनटीए को मजबूत करने की सलाह दी गई थी और कई सुधार लागू किए गए हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आगे होने वाली नीट परीक्षा के लिए सभी सुझावों को ध्यान में रखा गया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक वास्तविक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है। अदालत ने कहा कि जिम्मेदारी केवल व्यक्तियों की नहीं बल्कि संस्थागत स्तर पर तय होनी चाहिए।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यूपीएससी जैसी संस्थाओं में ऐसी स्थिति कभी नहीं बनती, इसलिए बाकी संस्थाओं को उससे सीख लेने की जरूरत है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ है और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए नया मैकेनिज्म तैयार किया गया है, जिसकी निगरानी उच्च स्तर पर की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह एक हलफ्नामा दाखिल करे, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि भविष्य में परीक्षा प्रक्रिया और परिणाम व्यवस्था को कैसे बेहतर बनाया जाएगा। अदालत ने कहा कि यह हलफ्नामा जुलाई के दूसरे सप्ताह तक दाखिल किया जाए।

बता दें कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नीट 2026 परीक्षा को रद्द करने और री-टेस्ट कराने का निर्णय 'छात्रों के हित में' और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए लिया गया था।शीर्ष अदालत में दायर एक हलफ्नामे में एनटीए ने कहा कि 3 मई को हुई परीक्षा को रद्द करना और मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपना यह दिखाता है कि परीक्षा की शुचिता को लेकर एजेंसी कितनी गंभीर है। यह निर्णय छात्रों के हित में लिया गया और इस राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए किया गया।

बिहार में आकाशीय बिजली का कहर, 4 लोगों की मौत; बारिश-आंधी से जनजीवन प्रभावित

पटना (आरएनएस)। बिहार में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। राज्य के कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और गरज-चमक के साथ हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, लेकिन आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में चार लोगों की जान चली गई। गया जिले के डुमरिया प्रखंड के भदवर थाना क्षेत्र स्थित किशुनचक गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान दिनेश यादव की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, दिनेश यादव रोज की तरह शुक्रवार सुबह भैंस चराने के लिए गांव से करीब एक किलोमीटर दूर हरितार क्षेत्र में गए थे। इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया और तेज गरज-चमक के बीच उन पर बिजली गिर गई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। शव को देखकर उनकी पत्नी बेसुध हो गईं।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पर्याप्त पानी पीते रहें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से किया आह्वान

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़ते हुए तापमान और अधिक गर्मी से होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रदेशवासियों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने और बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़े हुए तापमान और अधिक गर्मी देखते हुए सभी प्रदेशवासी अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। पर्याप्त पानी पिएं, बच्चों को हाइड्रेटेड रखें और बाहर निकलते समय पानी की बोतल अवश्य साथ रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवाभावी नागरिकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करना मानवता की सच्ची सेवा है। हम सभी को इस दिशा में आगे आना चाहिए।

पुणे में जहरीली कच्ची शराब पीने से 18 लोगों की मौत, सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में जहरीली शराब (कच्ची शराब) पीने से पिछले 48 घंटों के भीतर 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

बीमार लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां डाक्टर उनकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पिंपरी-चिंचवड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी क्षेत्रों में अब तक 13 लोग मारे जा चुके हैं। जबकि पुणे के काले पडल क्षेत्र में तीन एवं हड़पसर में दो लोगों की जान जा चुकी है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अवैध कारोबार के मुख्य सूत्रधार योगेश गायकवाड़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, योगेश लंबे समय से इलाके में अवैध और जहरीली शराब की आपूर्ति कर रहा था। पुलिस की कई टीमें आरोपित से कड़ाई से पूछताछ कर रही हैं, ताकि इस रैकेट से जुड़े अन्य चेहरों को बेनकाब किया जा सके। मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने इस पूरी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस लापरवाही और अवैध धंधे में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई रसूखदार व्यक्ति हो या कोई प्रशासनिक अधिकारी। मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को पीड़ितों को तत्काल हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। इतने बड़े स्तर पर जहरीली शराब की बिक्री ने स्थानीय पुलिस और आबकारी (एक्साइज) विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध शराब की भट्टियों और बिक्री केंद्रों के बारे में समय-समय पर शिकायतें की गई थीं, लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। फ्लिहाल पूरे पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में पुलिस बल तैनात है और संदिग्ध शराब विक्रेताओं पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

बंगाल में एक अगस्त से जनगणना शुरु, सीएम शुभेंदु का दावा, घुसपैठ से राज्य की डेमोग्राफी बदली

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में एक अगस्त से अगले साल फरवरी तक डिजिटल जनगणना होगी। राज्य में पहली बार डिजिटल जनगणना होगी। उक्त जानकारी आज मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दी और कहा कि देश के दूसरे राज्य जनगणना कराने के मामले में बहुत आगे निकल गए हैं, लेकिन यह राज्य पिछड़ गया है। उन्होंने इसके लिए पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उसने राजनीतिक कारणों से जनगणना नहीं कराई। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि इस जनगणना से राजनीति और जाति से कोई लेना-देना नहीं है।

मुख्यमंत्री ने नबान्नो में जनगणना संबंधी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर डिजिटल जनगणना कराने के बारे में निर्णय लिया। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि देश और राज्य की कल्याणरी योजनाओं के मद्देनजर यह जनगणना काफी महत्वपूर्ण है। जनगणना के बाद जो तथ्य व डाटा उभर कर सामने आएंगे, उससे विकास आदि मे आकलन और सहूलियत होगी। उन्होंने सभी से जनगणना में सहयोग देने की अपील की है।

यूपी में बड़ा हादसा : तेज तूफान से निर्माणाधीन पुल गिरा, 6 मजदूरों की मौत; कई लोग मलबे में दबे

हमीरपुर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बड़ा हादसा हो गया। भीषण तूफान के कारण निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया, जिससे मलबे के नीचे दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। कई अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस बल और स्थानीय निवासी घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

हमीरपुर के एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया, 28 और 29 मई की मध्यरात्रि करीब 2 बजे सूचना मिली कि थाना लालपुर क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा की मवाईजार को जोड़ने के लिए बन रहे पुल का स्लैब गिर गया है, जिसके नीचे कुछ लोग दब गए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए। अभी तीन लोग खंभे पर फंसे हुए हैं। उन्हें बचाने के लिए एसडीआरएफ और हमारी टीम लगातार प्रयास कर रही है। छह लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है, जिनमें से पांच लोगों की पहचान कर ली गई है। स्लैब हटाकर उन्हें बाहर निकाला जाएगा।

डीके शिवकुमार ने ख़ड़गे का आशीर्वाद लिया, सीएलपी नेता के चुनाव को बताया 'तत्काल प्राथमिकता'

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक में नए मुख्यमंत्री और सरकार गठन के मुद्दों पर टिप्पणी करते हुए राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि बैठक में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता के चुनाव की प्रक्रिया को पूरा करना तत्काल प्राथमिकता है और अन्य मामलों पर इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही चर्चा की जाएगी। इसी बीच, शिवकुमार ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। यह ध्यान देने योग्य है कि शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। राज्य में सरकार गठन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच नई दिल्ली में कांग्रेस हाई कमांन के नेताओं से मुलाकात के बाद दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह बयान दिया। सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा देने के बाद मीडिया के सामने यह उनका पहला सार्वजनिक बयान है।

मानसून 7 दिन बाद केरलम पहुंचेगा, इस बार सामान्य से कम बारिश का अनुमान

जून-जुलाई में सताएगी भीषण लू!

नई दिल्ली (ए) । देश में मानसून की एंट्री लेट हो गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले 2-3 दिन इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान जताया था। इस तरह पिछले अनुमान से मानसून करीब 10 दिन बाद देश में एंट्री करेगा।

मौसम विभाग के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा।

इस साल बारिश भी 10 प्रतिशत तक कम होगी

मौसम विभाग ने बताया कि इस साल देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान है। जो सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम है। 13 अप्रैल को 80 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान लगाया गया था। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर देश में औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है। मौसम विभाग ने बताया कि जून में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में सामान्य से भी कम बारिश होगी।

त्विषा शर्मा केस: गिरिबाला और समर्थ 5 दिन की CBI रिमांड पर, होगी आमने-सामने पूछताछ

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी के चर्चित त्विषा शर्मा मौत मामले में जांच अब और गहराती जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह और उनके वकील बेटे समर्थ सिंह को विशेष अदालत में पेश किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने दोनों आरोपितों को पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है।

शुक्रवार सुबह सीबीआई की टीम दोनों आरोपियों को लेकर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शोभना भाल्वे की अदालत पहुंची। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि केस के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर अभी पूछताछ और तकनीकी साक्ष्य जुटाना बाकी है, जिसके लिए रिमांड जरूरी है। कोर्ट ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों की 2 जून तक सीबीआई रिमांड मंजूर की है।

गौरतलब है कि त्विषा शर्मा का पति समर्थ सिंह पहले से ही सीबीआई की रिमांड में था। शुक्रवार को उसकी पूर्व रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद उसे दोबारा अदालत में पेश किया गया। सूत्रों के अनुसार, आगामी पूछताछ में सीबीआई दोनों आरोपितों को आमने-सामने बैठाकर सवाल-जवाब करेगी। जांच एजेंसी समर्थ सिंह की फ्रारी के दौरान उसकी लोकेशन, संपर्कों और मददगारों के बारे में भी गहन पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है कि मप्र हाईकोर्ट द्वारा गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के बाद सीबीआई ने उन्हें गुरुवार शाम को गिरफ्तार किया था। इसके लिए टीम गुरुवार सुबह करीब 10 बजे गिरिबाला के घर पहुंच गई थी और करीब आठ घंटे तक उनसे पूछताछ की।

माफिया अब खुली जीप में पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता : सीएम योगी

मऊ/लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ की धरती से माफिया को फिर खुली चुनौती दी। उन्होंने दो टूक कहा कि अब किसी माफिया व गुंडे में दुस्साहस नहीं है कि त्योहारों में उपद्रव कर दे। यदि किसी ने रामलीला, यज्ञ-कथा, जन्माष्टमी, रामनवमी, शिवरात्रि, रक्षाबंधन आदि धार्मिक आयोजनों में व्यवधान डाला तो उसकी रावण व कंस जैसी दुर्गति तय है। किसी ने बेटी व व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो उसका इंतजार यमराज ही करेंगे। अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ के गांधी मैदान में 392 करोड़ से अधिक लागत वाली 114 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मऊ को क्रांतिधरा बताते हुए साहित्यकार श्याम नारायण पांडेय, समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती, मऊ को नई पहचान दिलाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय की स्मृतियों को नमन किया। उन्होंने पूर्व राज्यपाल फागू चौहान का भी जिक्र किया और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया।

राहुल गांधी ने सीबीएसई के ओएसएम के लिए कॉन्ट्रैक्ट देने की प्रक्रिया में गड़बड़ियों के आरोप लगाए

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को सीबीएसई की 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग स्कीम' (ओएसएम) के लिए कॉन्ट्रैक्ट देने की प्रक्रिया में गड़बड़ियों के नए आरोप लगाए। उन्होंने इस काम के लिए एडटेक कंपनी को चुनने के फैसले की न्यायिक जांच की मांग की। सोशल मीडिया पर एक न्यूज क्लिप शेयर करते हुए गांधी ने इस मुद्दे को उठाने के लिए भाजपा मंत्रियों द्वारा उन पर किए गए हमलों का जवाब दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफकोई कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया। इस पोस्ट में, जो शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 12वीं क्लास के सीबीएसई मूल्यांकन सिस्टम में आई गड़बड़ियों की जिम्मेदारी लेने के एक दिन बाद आया, कांग्रेस नेता ने यह इशारा किया कि ओएसएम का कॉन्ट्रैक्ट दिया ही नहीं गया था।

सरकार पर इस साल से ओएसएम सिस्टम लागू करने में अनावश्यक जल्दबाजी दिखाने का आरोप लगाते हुए गांधी ने दावा किया कि टीसीएस के बजाय कोएम्प्ट नाम की एक कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था और उस कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए कई शर्तों में ढील दी गई थी।

गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सीबीएसई कहते हैं कि सही प्रक्रिया का पालन किया गया। यह कोई जवाब नहीं है, यह कोई जवाबदेही नहीं है। सवाल यह है कि क्या कॉन्ट्रैक्ट ईमानदारी से उस सबसे अच्छी कंपनी को दिया गया था जो यह काम सही तरीके से कर सकती थी। 18.5 लाख बच्चों का भविष्य एक ऐसी कंपनी के हाथों में सौंप दिया गया, जो नियमों में बदलाव किए जाने के बाद ही योग्य साबित हो पाई।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा मंत्री मुझसे सवाल पूछने के लिए मुझ पर हमला कर रहे हैं कि मैंने पहले दिन से ही एक स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। इस जांच का दायरा सीबीएसई से बढ़ाकर कोएम्प्ट को दिए गए हर कॉन्ट्रैक्ट तक किया जाना चाहिए। हमारे युवाओं को सच जानने का हक है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) और केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कुछ छात्रों के मामले में गड़बड़ियों की बात स्वीकार की है और सिस्टम में सुधार करने का वादा किया है।

12वीं क्लास के एक छात्र का मामला, जिसे गलती से किसी दूसरे उम्मीदवार की भौतिक विज्ञान की आंसर शीट भेज दी गई थी, डिजिटल मूल्यांकन में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर देशव्यापी बहस का कारण बन गया, जिससे सिस्टम की विश्वसनीयता को लेकर व्यापक चिंताएं पैदा हो गईं।

अपने बचाव में सीबीएसई ने बुधवार को गांधी के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने एक खास शिक्षा टेक्नोलॉजी कंपनी के साथ किए गए कॉन्ट्रैक्ट में किसी भी तरह की अनियमितता की बात कही थी।

सीबीएसई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ये आरोप गलत और भ्रामक हैं और तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश का हो रहा है अधोसंरचात्मक विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

3,540 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा हाई-स्पीड कॉरिडोर मध्य भारत में कनेक्टिविटी का नया मानक स्थापित करेगा

114 किलोमीटर लंबी परियोजना से मिलेगी जाम से राहत, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को मिलेगा नया आधार

भोपाल (निप्र.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकसित हो रहे आधुनिक अधोसंरचना नेटवर्क ने भारत की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुरूप राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे, आर्थिक कॉरिडोर और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश को नई ऊर्जा मिल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा मध्यप्रदेश में विकसित की जा रही जबलपुर आउटर रिंग रोड परियोजना महाकौशल क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखने जा रही है। प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है। लगभग 3,540 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रही 114 किलोमीटर लंबी यह महत्वाकांक्षी परियोजना जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि जबलपुर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने वाली यह परियोजना शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के साथ-साथ क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन, कृषि और औद्योगिक गतिविधियों को भी मजबूती प्रदान करेगी। फोर लेन वाले इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण विशेष रूप से शहर के बाहर से आने-जाने वाले भारी एवं लंबी दूरी के यातायात को सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। फोर लेन वाले इस

अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण विशेष रूप से शहर के बाहर से आने-जाने वाले भारी एवं लंबी दूरी के यातायात को सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसके पूर्ण होने के बाद जबलपुर शहर में यातायात का दबाव कम होगा तथा उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की ओर जाने वाले वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। विगत वर्षों में जबलपुर में तेजी से हुए शहरी विस्तार, औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि तथा यात्री एवं मालवाहक वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात दबाव लगातार बढ़ा है। शहर की प्रमुख सड़कों पर जाम, लंबा यात्रा समय और ईंधन की अतिरिक्त खपत आम समस्या बन गई थी।

आउटर रिंग रोड परियोजना इन चुनौतियों का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है। इसके संचालन से लंबी दूरी के वाहनों का आवागमन शहर के बाहर से होगा, जिससे शहरी सड़कों पर दबाव कम होगा और आम नागरिकों को अधिक सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध होगी।

परियोजना को प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 5 अलग-अलग पैकेजों में विभाजित किया गया है। इनमें बरेला से मानेगांव, मानेगांव से एनएच-45, एनएच-45 से कुशनेर, कुशनेर से अमझर तथा अमझर से बरेला तक के खंड शामिल हैं। सभी पैकेज मिलकर जबलपुर के चारों ओर एक मजबूत बाहरी परिवहन नेटवर्क तैयार करेंगे। इन मार्गों के विकसित होने से जबलपुर हवाई अड्डे सहित क्षेत्र के प्रमुख कस्बों और ग्रामीण इलाकों को बेहतर सड़क संपर्क प्राप्त होगा। परियोजना के विभिन्न हिस्से इस वर्ष तथा अगले वर्ष चरणबद्ध रूप से यातायात के लिए खोले जाएंगे।

परियोजना का सीधा लाभ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा। वर्तमान में बरेला, शाहपुरा, पाटन, सिहोरा और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में ट्रैफिक जाम और परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आउटर रिंग रोड बनने के बाद कृषि उत्पादों का परिवहन तेज होगा, जिससे समय की बचत होगी और किसानों को बेहतर बाजार अवसर उपलब्ध होंगे।

दोस्तो के साथ घूमने वीआईपी रोड गई युवती ने तालाब में लगाई छलांग

भोपाल (ए.)। पुराने शहर के वीआईपी रोड स्थित बड़े तालाब में शुक्रवार सुबह एक युवती ने छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर नगर निगम के गोताखोर तत्काल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

किया। गोताखोर मोहम्मद इमरान, शेख आसिफ और आमिर की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद युवती को पानी से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पहुचीं तलैया थाना पुलिस ने युवती को तत्काल अस्पताल पहुचांया। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती की पहचान मनीषा के रूप में हुई है, जो बैरागढ़ क्षेत्र की निवासी बताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक वह पिछले कुछ समय से पारिवारिक परेशानियों से जूझ रही थी। थाना पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवती सुबह करीब 8 बजे अपने दो दोस्तों के साथ वीआईपी रोड पर घूमने आई थी। इसी दौरान वह किसी को फोन लगाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन बात नहीं हो पा रही थी, जिससे वह तनाव में आ गई। इसी दौरान उसने अचानक तलाब में छलांग लगा दी। पुलिस का कहना है कि युवती और उसके साथ मौजूद दोस्तो के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। जॉच के बाद ही सही कारणो का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मंत्री श्री सारंग ने किया निर्माणाधीन 10 लेन करोंद बायपास प्रोजेक्ट का निरीक्षण

भोपाल(निप्र.)। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को निर्माणाधीन 10 लेन करोंद बायपास परियोजना का एनएचएआई, नगर निगम, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, मेट्रो कॉर्पोरेशन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य की प्रगति, यातायात व्यवस्था, जनसुविधाओं एवं निर्माण कार्य के दौरान उत्पन्न हो रही समस्याओं का मौके पर जायजा लेकर संबंधित आधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

अस्थायी रूप से टैंकरों के माध्यम से करें पानी की व्यवस्था

निरीक्षण में मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार की लापरवाही के कारण पानी लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण नागरिकों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिये तत्काल एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जहां भी पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां तत्काल अस्थायी रूप से टैंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

अव्यवस्थाओं को लेकर की नाराजगी व्यक्त

मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य में सामने आ रही व्यवस्थागत कमियों एवं अव्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि करोंद बायपास परियोजना शहर के यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्माण कार्य के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानियां न उठानी पड़े।

प्लांट डॉक्टर किसानों के लिए एआई आधारित स्मार्ट समाधान

भोपाल (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों की आय वृद्धि, कृषि में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर नवाचारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि में एआई, ड्रोन, सेंसर आधारित तकनीक और डिजिटल समाधानों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इसी क्रम में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के एम.टेक. छात्र श्री आर्यन चंद्रा द्वारा विकसित प्लांट डॉक्टर नामक एआई आधारित स्मार्ट डिवाइस किसानों के लिए उपयोगी तकनीकी समाधान के रूप में सामने आया है।किसानों को फसल रोगों की त्वरित पहचान एवं उपचार संबंधी सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री चंद्रा ने लगभग 10 माह के शोध एवं परिश्रम के बाद प्लांट डॉक्टर नामक पोर्टेबल स्टैंड अलोन एआई डिवाइस विकसित की है। यह नवाचार किसानों को खेत स्तर पर ही रोगों की पहचान, उपचार के सुझाव तथा वैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराने में सहायक है।

परियोजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए अंतर्विभागीय समन्वय और टीम भावना सर्वोपरि : श्री सिंह

जलप्रदाय एवं मलजल योजनाओं की हुई समीक्षा

भोपाल (ए.)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त प्रबंध संचालक दिव्यांक सिंह ने परियोजना प्रबंधकों एवं संविदाकारों को निर्देशित किया है कि समस्त जलप्रदाय एवं मलजल योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च तकनीकी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रबंधन इकाई, क्रियान्वयन इकाई, स्थानीय निकाय और संविदाकार आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें जिससे जमीनी स्तर पर आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हो सके। श्री सिंह ने वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए संविदाकारों को कड़ी हिदायत दी कि वे प्राथमिकता के आधार पर सड़कों के जीर्णोद्धार (रोड रेस्टोरेशन) के शेष कार्यों को मानसून पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। उन्होंने उपभोक्ताओं को समय पर जल प्रदाय के देयक वितरित करने और वाटर आईडी को प्रॉपर्टी आईडी से लिंक करने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के निर्देश दिए जिससे राजस्व प्रबंधन सुदृढ़ हो सके।भौंरी स्थित सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंधन संस्थान में आयोजित बैठक में पूर्ण तथा प्रगतिरत कुल 134 महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की बिंदुवार एवं सूक्ष्म समीक्षा की गई। अतिरिक्त प्रबंध संचालक ने रेखांकित किया कि परियोजना क्रियान्वयन में उत्पन्न होने वाली तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्याओं से वरिष्ठ प्रबंधन को समय रहते अवगत कराया जाए जिससे उनके त्वरित निवारण में कोई विलंब न हो।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील एवं सख्त कार्यवाही

राजगढ़ में नाबालिग से बाल विवाह व दुष्कर्म मामले में 5 गिरफ्तार आगर मालवा में मानव तस्करी की साजिश विफल

भोपाल(ए.)। महिलाओं, बालिकाओं एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संवेदनशील अपराधों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं त्वरित कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश के राजगढ़ एवं आगर मालवा जिलों में पुलिस टीमों ने तत्परता, संवेदनशीलता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए मानव तस्करी, बाल विवाह, दुष्कर्म एवं महिलाओं के शोषण से जुड़े गंभीर मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हुआ है कि मध्यप्रदेश पुलिस महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है।राजगढ़ जिले में थाना कोतवाली पुलिस ने 12 वर्षीय नाबालिग बालिका से बाल विवाह, खरीद-फरोख्त, दैहिक शोषण एवं प्रताड़ना के अत्यंत संवेदनशील मामले का खुलासा करते हुए 6 नामजद आरोपियों में से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री अमित तोलानी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। प्रकरण में सामने आया कि पीड़िता के पिता की मृत्यु के बाद उसकी मां की दूसरी शादी आरोपी पवन उर्फ परमाल गुर्जर निवासी गुना से कराई गई थी। इसके बाद आरोपी पीड़िता एवं उसकी मां को राजगढ़ लेकर आया, जहां सुनियोजित तरीके से 3 फरवरी 2025 को 12 वर्षीय बालिका का विवाह भोला उर्फ भोलाराम गुर्जर से करा दिया गया। आरोपियों द्वारा इस बाल विवाह के एवज में लाखों रुपये नगद एवं जेवरात लिए गए। विवाह के बाद नाबालिग के साथ दुष्कर्म एवं लगातार शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना की गई। मामले में अन्य आरोपियों द्वारा भी पीड़िता का शोषण किए जाने की जानकारी सामने आई है। मामला थाना प्रभारी के संज्ञान में आने पर उन्होंने अत्यंत संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए बालिका की काउंसलिंग की, जिससे पीड़िता ने साहसपूर्वक अपनी आपबीती पुलिस को बताई। इसके बाद थाना कोतवाली राजगढ़ में पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

भोपाल निगम की सख्त कार्रवाई, नालों और सड़कों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के भोपाल में नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर बड़ी संख्या में अवैध कब्जे हटाए। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शिकायतों के निराकरण और नियमित अभियान के तहत ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, काउंटर, सब्जी दुकानें तथा दुकानों के बाहर रखा सामान हटाकर जब्त किया। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर शुक्रवार को निगम अमले ने नेहरू नगर, पलकमति परिसर, जवाहर चौक, शाहपुरा मनीषा मार्केट, बिट्टन मार्केट, रोहित नगर, बावड़िया कला, अयोध्या बायपास, जहांगीराबाद, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-6, सिंधी कॉलोनी चौराहा, बैरागढ़ सीटीओ रोड, आशाराम तिराहा, गांधी नगर बस स्टॉप और सब्जी मंडी सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया।कार्रवाई के दौरान रोहित नगर सर्विस रोड पर अवैध रूप से बना बांस-बल्लियों का टपरा तोड़ा गया। वहीं विभिन्न स्थानों से दो ठेले, दो गुमठियां, तीन तख्त और छह कैरेट जब्त किए गए।निगम टीम ने सड़क और फुटपाथ पर फैले सामान को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने का प्रयास किया।इसके अलावा निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर बैरागढ़ सीटीओ रोड स्थित नाले के पास अवैध रूप से बने एक शेड को जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त किया।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने शादी का झांसा देकर चार लिवइन में रख किया दुष्कर्म

- आपत्तिजनक वीडियो बनाये, ब्लेकमेल कर चार लाख वसूले

भोपाल (ए.)। शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए आरोपी ने युवती से दोस्ती कर पहले तो उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर उसे चार साल तक लिवइन में रख दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने इस दौरान उसके

निजी वीडियो बना लिए। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उसे ब्लेकमेल कर उससे करीब चार लाख की रकम भी वसूली। थाना पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया की साल 2022 में उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिये अंकित अहिरवार से हुई थी। जल्द ही उनकी दोस्ती प्रेम-प्रसंग में बदल गई और आरोपी ने युवती को शादी का झांसा देकर अपने साथ लिव-इन में रहने के लिए राजी कर लिया। बाद में पीड़िता को जानकारी लगी की आरोपी पहले से विवाहित है और उसके बच्चे भी हैं। इसके बाद पीड़िता ने उस पर जल्द शादी करने का दबाव बनाया तब आरोपी ने उसके साथ शादी करने से साफ इंकार कर दिया। पीड़िता का आरोप है की साथ रहने के दौरान प्रेमी ने उसके निजी वीडियो बना लिये थे, और शादी करने से मना करने के बाद वह इन वीडियो का वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। समाज में बदनामी के डर से पीड़िता ने आरोपी को अलग-अलग समय पर करीब चार लाख रुपए दे दिए। बाद में पीड़िता के परिवार वालो ने उसकी शादी अन्य युवक से करा दी। लेकिन इसके बाद भी आरोपी उसे लगातार वीडियो वायरल करने की धमकी देकर परेशान करता रहा। उसकी प्रताड़ना और ब्लेमेलिंग से तंग आकर पीड़िता पुलिस के पास जा पहुचीं और शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

इलेक्ट्रिक बैड में ब्लास्ट, सो रहे 88 साल के बीमार वृद्ध की मौत

भोपाल (ए.)। देहात के ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां वयोवृद्ध इलेक्ट्रिक बैड में सो रहे थे, अचानक उसमें जोरदार ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। जिस कारण वृद्ध उसमें बुरी तरह से झुलस गए थे, कुछ घंटे चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। थाना पुलिस के अनुसार ग्लेडविन सहाय पारधी (88) अगरिया काला पीपल में बेटे के साथ रहते थे। अधिक उम्र और बीमारी के कारण वह चल-फिर नहीं पाते थे। उन्हें बेटे ने बीमारी और उनके आराम के लिये इलेक्ट्रिक बेड दिलाया था। बुधवार शाम चार बजे ग्लेडविन सहाय पारदी बेड पर सो रहे थे। अचानक ही बेड की बैटरी में शार्ट सर्किट हुआ और जोरदार ब्लास्ट हुआ। जिसके बाद बेड में आग लग गई। आग की चपेट में आकर वृद्ध बुरी तरह झुलस गये थे, उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिये निजी अस्पताल पहुचांया गया। वहां कुछ घंटों चले इलाज के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को मॉर्चुरी रुम में रखवा दिया है।

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा 4 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

अनुभव और समर्पण की विरासत को नई पीढ़ी के लिए आगे बढ़ाए : डीजीपी कैलाश मकवाणा

भोपाल (आरएनएस.)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह मई में सेवानिवृत्त 4 कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। पुलिस महानिदेशक ने सभी को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये।इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस मुख्यालय से लगातार अनुभवी एवं समर्पित अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिनके साथ कार्य करने का उन्हें अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में कार्य करना केवल नौकरी नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जहां देर रात तक एवं अवकाश के दिनों में भी कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि आने वाली युवा पीढ़ी को भी इसी ऊर्जा, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करना होगा, ताकि विभाग की गौरवशाली परंपरा निरंतर बनी रहे।नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए.साईं मनोहर, उप पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती किरणलता केरकट्टा एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्रीमती सुनीता सिंह कुशवाह, मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा मोहन लाल मेहरा, कार्यवाहक आंकिक/सूबेदार (एम) केन्द्रीय आवक जावक मुकेश मिश्रा एवं कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा दिनेश कुमार सक्सेना को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की जानकारी दी। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन किया

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर(ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नरसिंहपुर जिले के एनटीपीसी गाडरवारा में 5 या 6 जून 2026 को कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शुक्रवार को कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती व्यारे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम का सुचारू रूप से तैयारियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हेलीपैड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, सत्कार व्यवस्था, परिवहन, पार्किंग, विद्युत, चिकित्सा व्यवस्था, फायर बिग्रेड, पेयजल व्यवस्था और साफ-सफाई आदि व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बैतूल में सड़क हादसे में घायल दो दोस्तों ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

बैतूल(ए.)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के सोहागपुर के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो दोस्तों की इलाज के दौरान मौत हो गई, पुलिस ने शुक्रवार को शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना सोहागपुर के पास की है, जहां बाइक सवार दो दोस्तों की सड़क दुर्घटना में जान चली गई। मृतकों की पहचान जामठी निवासी 20 वर्षीय साजन धुर्वे और जुना वाणी निवासी 27 वर्षीय रवि धुर्वे के रूप में हुई है। दोनों काम के सिलसिले में अक्सर गुजरात जाते थे और कुछ दिन पहले ही वापस लौटकर बैतूल के आसपास मजदूरी कर रहे थे। गुरुवार को दोनों बाइक से जा रहे थे।

बेटी को मां और सौतेले पिता ने 12 लाख में बेचा, 3 लोगों ने किया रेप

– 12 साल की बच्ची से 3 लोगों ने रेप किया, पीड़िता की जिंदगी नरक बन गई

राजगढ़(ए.)। जिले में मां और सौतेले पिता ने 12 साल की बेटी को 12 लाख रुपए में बेच दिया। आरोपियों ने 8 लाख रुपए कैश और 4 लाख रुपए के जेवर लिए थे। बच्ची की शादी भी करा दी गई थी। 3 आरोपियों ने कई बार रेप किया। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मास्टरमाइंड फरार है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के पिता की जनवरी 2025 में अत्यधिक शराब सेवन से मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद परिवार टूट गया। इसी दौरान युवती की मां ने गुना जिले के पवन उर्फ परमाल गुर्जर से दूसरी शादी कर ली।शादी के बाद पवन उर्फ परमाल बच्ची और उसकी मां को राजगढ़ लेकर आया। जांच में सामने आया कि 3 फरवरी 2025 को लड़की की शादी 26 वर्षीय भोला उर्फ भोलाराम गुर्जर से कराई गई थी। पुलिस के अनुसार यह खरीद-फरोख्त का मामला था।पुलिस के मुताबिक, बच्ची की शादी के बदले आरोपियों ने करीब 8 लाख रुपए नकद और 4 लाख रुपए के जेवर लिए थे। पति भोला उर्फ भोलाराम ने शादी की पहली रात दुष्कर्म किया। इसके बाद सौतेले पिता पवन उर्फ परमाल गुर्जर ने भी कई बार नाबालिग से रेप किया।

पन्ना पुलिस ने एपीके फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश

नोएडा से एक आरोपी गिरफ्तार 90 हजार रुपये नगद एवं मोबाइल फोन जब्त

पन्ना (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार सख्त एवं तकनीकी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पन्ना पुलिस ने एपीके (APK) फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन जब?त किया गया है। फरियादी गोपाल बंसकार ने 1930 साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कर बताया कि उसके सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सिमरिया स्थित खाते से संचालित नवी यू.पी.आई. एप के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कुल 1 लाख 90 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई है।शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पुलिस एवं साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा फरियादी के मोबाइल फोन में एपीके (APK) फाइल इंस्टॉल कराकर मोबाइल का अनाधिकृत एक्सेस प्राप्त किया गया था। एपीके फाइल इंस्टॉल होने के बाद आरोपियों ने मोबाइल की संवेदनशील जानकारी, बैंकिंग एक्सेस, यूपीआई एवं ट्रांजेक्शन ओटीपी संबंधी जानकारी हासिल कर खाते से अवैध ट्रांजेक्शन किये।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान, सड़कों पर मार्किंग और ट्रैक्टरों पर लगाए रेडियम

अशोकनगर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर शहर में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।यातायात पुलिस ने शुक्रवार को गांधी पार्क से पुराना बाजार जाने वाले मार्ग पर सड़क के दोनों ओर चूना और पेंट से लाइनिंग एवं रोड मार्किंग करवाई। पुलिस का मानना है कि इससे यातायात संचालन बेहतर होगा और जाम की स्थिति में कमी आएगी।वहीं रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सेन चौराहे से गुजरने वाले ट्रैक्टरों पर रेडियम पट्टियां भी लगाई गईं। इन रेडियम स्ट्रिप्स के माध्यम से रात में दूर से ही वाहन स्पष्ट दिखाई दे सकेंगे, जिससे हादसों की आशंका कम होगी।अभियान के दौरान यातायात थाना प्रभारी मनीष सिंह चौहान और उनकी टीम ने पीए सिस्टम और प्रोजेक्टर के जरिए आमजन, व्यापारियों और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

बिजली कर्मचारियों के आश्रितों ने की बिना शर्त नौकरी देने मांग

– ऊर्जा मंत्री को सौंपा ज्ञापन, भेदभावपूर्ण नीति का जताया विरोध

खरगोन (ए.)। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के मामलों को लेकर तकनीकी कर्मचारी संघ ने विरोध के स्वर मुखर किए है। प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में संघ ने ऊर्जा मंत्री से मुलाकात कर अपनी लंबित मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की है कि पिछले 25 वर्षों से भटक रहे सभी आश्रितों को बिना किसी शर्त के अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। संघ के एसके मौर्य, केएल लोखंडे, एसके शाक्य, शशि उपाध्याय, दशरथ शर्मा, टी डेविड, मोहन दुबे, राजकुमार सैनी आदि का कहना है कि वर्ष 2000 से जारी रोक और वर्ष 2014 की विसंगतिपूर्ण नीति के कारण बीमारी या प्राकृतिक मृत्यु का शिकार हुए कर्मचारियों के परिवार आज भी न्याय के लिए

भटक रहे हैं। विद्युत मंडल के दौर में खराब माली हालत का हवाला देकर 1 सितंबर 2000 से अनुकंपा नियुक्तियों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। बिजली कंपनियों के गठन के बाद भी यह प्रतिबंध लगातार जारी रहा। इसके बाद वर्ष 2014 में विभाग ने एक नई अनुकंपा नीति लागू की। इस नीति के तहत प्रावधान किया गया कि वर्ष 2000 से 2012 के बीच केवल दुर्घटना में जान गंवाने वाले कार्मिकों के आश्रितों को ही नौकरी दी जाएगी।

इस फैसले से बीमारी या सामान्य वजहों से जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजन दौड़ से बाहर हो गए और पिछले 25 सालों से लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं।

व्यापार समाचार

पेंशन से जुड़े नियम में बदलाव कर सकती है मोदी सरकार? केंद्रीय कर्मचारियों पर बड़ा असर

नई दिल्ली (आरएनएस),। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आने वाले समय में बड़ी राहत की खबर सामने आ सकती है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे लाखों कर्मचारियों के बीच अब पेंशन व्यवस्था में बड़े बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि सरकार कर्मचारियों को अपनी पसंद के अनुसार पेंशन विकल्प चुनने की सुविधा देने पर विचार कर रही है।

पेंशन सिस्टम में बदलाव की तैयारी?

मीडिया रिपोर्ट्स और कर्मचारी संगठनों के सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसी नई व्यवस्था पर मंथन कर रही है जिसमें कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन को लेकर अधिक विकल्प और सुरक्षा मिल सके। हालांकि अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कर्मचारी यूनियनों का दावा है कि आने वाले कुछ महीनों में इस दिशा में अहम फैसला लिया जा सकता है।

मौजूदा व्यवस्था क्या है?

फिलहाल 1 जनवरी 2004 के बाद नियुक्त अधिकांश केंद्रीय कर्मचारी नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) के तहत आते हैं। इस योजना में कर्मचारी और सरकार दोनों योगदान करते हैं, जबकि रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन बाजार आधारित निवेश और रिटर्न पर निर्भर रहती है।

इसके पहले पुरानी पेंशन योजना (OPS) लागू थी, जिसमें कर्मचारियों को अंतिम वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर निश्चित पेंशन की गारंटी मिलती थी। वहीं हाल ही में सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) लागू की, जिसमें OPS और NPS दोनों की विशेषताओं को शामिल करने की कोशिश की गई है।

कर्मचारियों की क्या मांग है?

कर्मचारी संगठन लगातार मांग कर रहे हैं कि कर्मचारियों को OPS, NPS और UPS जैसे विकल्पों में चयन की स्वतंत्रता दी जाए, ताकि उन्हें भविष्य को लेकर अधिक भरोसा और आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

ऑल इंडिया NPS एम्प्लॉइज फेडरेशन (AINPSEF) समेत कई कर्मचारी संगठनों ने आठवें वेतन आयोग के सामने यह मुद्दा उठाया है। यूनियनों का कहना है कि NPS पूरी तरह बाजार पर आधारित होने के कारण कर्मचारियों में रिटायरमेंट के बाद आर्थिक अस्थिरता की चिंता बनी रहती है। इसलिए सुनिश्चित पेंशन व्यवस्था की मांग लगातार तेज हो रही है।

सावधान! घर पर लगे वाईफाई से हो सकती है आपकी ट्रैकिंग, सामने आया नया खतरा

नई दिल्ली ,(आरएनएस),। दुनियाभर में डिजिटल प्राइवेसी और निगरानी को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने ऐसा दावा किया है जिसने इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों की चिंता बढ़ा दी है। रिसर्च के मुताबिक, अब साधारण Wi-Fi राउटर भी बिना कैमरे और बिना किसी स्मार्ट डिवाइस के लोगों की गतिविधियों को ट्रैक कर सकते हैं।

Wi-Fi सिग्नल से इंसानों की निगरानी!

जर्मनी के कार्लसरुहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (KIT) के शोधकर्ताओं ने एक नई तकनीक विकसित की है, जिसे "BFId" नाम दिया गया है। यह तकनीक Wi-Fi नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले "Beamforming Feedback Information (BFFI)" फीचर का उपयोग करती है।

असल में Wi-Fi z और उससे आगे की टेक्नोलॉजी में यह फीचर इंटरनेट सिग्नल को बेहतर बनाने के लिए जोड़ा गया था। लेकिन रिसर्चर्स का कहना है कि यही सिग्नल अब लोगों की मूवमेंट और बॉडी पैटर्न को पहचानने में इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

बिना कैमरे के बन रही 'रेडियो इमेज'

शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग और AI मॉडल्स की मदद से इंसानी शरीर की रेडियो इमेज तैयार करने का तरीका विकसित किया। यह तकनीक रोशनी की जगह रेडियो वेव्स का इस्तेमाल करती है।

जब कोई व्यक्ति कमरे में चलता है, तो उसके शरीर से Wi-Fi वेव्स

प्रभावित होती हैं। इन बदलावों को सिस्टम रिकॉर्ड करता है और फिर इन्हें उस व्यक्ति की चाल, शरीर की बनावट और मूवमेंट पैटर्न के आधार पर उसकी पहचान कर लेता है।रिपोर्ट के मुताबिक, 197 लोगों पर किए गए परीक्षण में इस तकनीक ने करीब 99.5 प्रतिशत तक सटीक पहचान करने का दावा किया है।

अब स्मार्टफोन भी जरूरी नहीं

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि किसी व्यक्ति के पास मोबाइल, स्मार्टवॉच या कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होना भी जरूरी नहीं है। केवल शरीर की हलचल से पैदा होने वाले रेडियो बदलावों के आधार पर उसकी मौजूदगी और गतिविधि को ट्रैक किया जा सकता है।विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक भविष्य में सुरक्षा, निगरानी और डेटा प्राइवेसी के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

प्राइवेसी को क्यों माना जा रहा खतरा?

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, भले ही Wi-Fi सिग्नल सीधे किसी का नाम या पहचान न बताते हों, लेकिन यदि इन्हें लोकेशन हिस्ट्री, मोबाइल डेटा या अन्य डिजिटल रिकॉर्ड्स से जोड़ा जाए तो किसी भी व्यक्ति की पहचान आसानी से उजागर की जा सकती है।विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्थानों, ऑफिस, मॉल और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस तरह की निगरानी का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। खासकर पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के लिए यह तकनीक गंभीर चिंता का विषय बन सकती है।

बचाव के लिए क्या करें?

रिसर्चर्स ने अंतरराष्ट्रीय टेक कंपनियों और रेगुलेटरी संस्थाओं से Wi-Fi स्टैंडर्ड्स में मजबूत एन्क्रिप्शन और प्राइवेसी सुरक्षा जोड़ने की मांग की है।

जब तक नई सुरक्षा व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक विशेषज्ञों ने लोगों को सार्वजनिक Wi-Fi नेटवर्क इस्तेमाल करते समय सतर्क रहने, राउटर के फर्मवेयर को अपडेट रखने और सुरक्षित नेटवर्क का उपयोग करने की सलाह दी है।

फ्री राशन पर सरकार करने जा रही बड़ा बदलाव, फर्जी कार्ड पर चलेगा हथौड़ा

नई दिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को ज्यादा आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सरकार की बड़ी पहल का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि सरकार देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।" प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने 'सार्थक-पीडीएस'

योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इस योजना पर केंद्र सरकार करीब 25,530 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान केंद्र की हिस्सेदारी के रूप में दी जाएगी।सरकार ने दो बड़ी योजनाओं को मिलाकर इस नई व्यापक योजना का ढांचा तैयार किया है। इनमें पहली योजना 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राज्यों को खाद्यान्न के राज्य के भीतर परिवहन और फेयर प्राइस शॉप (एफपीएस) डीलरों के मार्जिन के लिए सहायता' और दूसरी 'स्मार्ट पीडीएस' योजना शामिल है।

अब इन दोनों को मिलाकर 'सार्थक-पीडीएस' के रूप में लागू किया जाएगा।इस योजना का मकसद सिर्फ राशन पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाना है। सरकार चाहती है कि खाद्यान्न की अंतिम व्यक्ति तक डिलीवरी बेहतर हो, राशन व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियां कम हों, और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़े। यह योजना 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी।सरकार अब पीडीएस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करेगी।

6 दिन में 35% का बंपर रिटर्न, ADANI के इस शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

मुंबई (आरएनएस),। शेयर बाजार में इन दिनों अडानी ग्रुप (Adani Group) की एक कंपनी अपने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर रही है। हम बात कर रहे हैं अडानी टोटल गैस (Adani Total Gas) की, जिसके शेयरों में पिछले कुछ दिनों से लगातार रॉकेट जैसी तेजी बनी हुई है। बुधवार को लगातार पांचवें कारोबारी दिन इस शेयर ने जबरदस्त उड़ान भरते हुए अपना एक साल का नया रिकॉर्ड हाई छू लिया। सिर्फ 6 दिन के भीतर इस शेयर ने निवेशकों को करीब 35 फीसदी का बंपर रिटर्न दे दिया है। बाजार के ताजा आंकड़ों को देखें तो पिछले तीन महीने में यह शेयर लगभग 83त्न तक चढ़ चुका है। आज भी बाजार में यह शेयर करीब 3त्न की बढ़त के साथ ?832.40 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इससे पहले बीते बुधवार, 27 मई को अकेले एक ही दिन में इसमें 16 फीसदी से ज्यादा का विशाल उछाल आया था। अब आम निवेशकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस तेजी का फायदा उठाकर प्रॉफिट बुकिंग (मुनाफावसूली) कर लेनी चाहिए या फिर आगे और बड़ी कमाई के लिए रुकना चाहिए?ग्लोबल एनर्जी क्राइसिस का फायदा- पहला कारण ग्लोबल मार्केट के हालातों से जुड़ा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

करार के अंदर करार

क्रिटिकल मिनरल्स के बारे में हुए समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए बेचैन ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल जुटाए जा सके, तो बेशक चीन पर निर्भरता से मुक्ति मिल सकेगी। क्वॉड के विदेश मंत्रियों की बैठक का लगभग पूरा ध्यान आधुनिक उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर केंद्रित रहा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से 20 बिलियन डॉलर जुटाने का इरादा जताया। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने इसी मकसद से एक अलग करार के फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए। इसके तहत क्रिटिकल मिनरल्स के खनन, प्रोसेसिंग, और रिसाइक्लिंग की आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए दोनों देश सहयोग करेंगे। छह महीने पहले 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युग के लिए सुरक्षित एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला' बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका नाम की पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद भी क्रिटिकल मिनरल्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग कायम करना था। इन बातों से साफ है कि खासकर अमेरिका की निगाह में रेयर अर्थ सहित तमाम महत्त्वपूर्ण खनिज आज कितने अहम हैं। खास बात यह है कि इन खनिजों की दुनिया में कोई कमी नहीं है। लेकिन इनकी प्रोसेसिंग और उनसे उपयोग योग्य उत्पाद बनाने की लगभग 90 फीसदी क्षमता सिर्फ चीन के पास है। नतीजतन, चीन तमाम देशों की सामरिक एवं रणनीतिक मंशाओं पर लगाम लगाने में सक्षम बना हुआ है। अत: अमेरिका ने अब अपने नेतृत्व में वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।मगर इन खनिजों से उपयोग लायक उत्पाद बनाना जटिल, महंगी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्रक्रिया है। इसकी क्षमता हासिल करने में भी वक्त लगेगा। अमेरिका की वित्तीयकृत अर्थव्यवस्था में ऐसी परियोजनाएं लगाना कठिन हो गया है, जिनके बारे में समझा जाता हो कि उनमें हाथ गंद होते हैं। इसलिए वह करार-दर करार कर रहा है। बहरहाल, ऐसे प्रोजेक्ट्स में मुनाफा होने के पहले लंबा इंतजार भी करना होता है। इसलिए ऐसे तमाम समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए उतावला ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल को तराशने की चुनौती है। ये सब जुटाए जा सके, तो निसंदेह दुनिया चीन पर निर्भरता से मुक्त हो सकेगी।

भारतीय युवाओं के मस्तिष्क को संकुचित करता आर्टिफिशियल इटेलिजेंस।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र "उदन्त मार्तण्ड" का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया। हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही। आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। "बनारस अखबार" हिन्दी प्रदीप""कवि वचन सुधा" भारत मित्र", "सरस्वती" और "प्रताप" जैसे

पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी। पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का "प्रताप" केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

"सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।"

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है। आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज़ पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है। छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट "विश्वसनीयता" का है।फेक न्यूज़,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।"पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।"यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेज़ी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।"सबसे पहले" दिखाने की होड़ में "सबसे सही" दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है।

पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन

अजीत द्विवेदी

इन दिनों पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन चल रहे हैं। प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक शिक्षा की गुणवत्ता गिर गई है और बोर्ड परीक्षा से लेकर दाखिले व नौकरी के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं पर संकट है। अगर पढ़ाई की बात करें तो कोविड महामारी के बाद हुए कई सर्वेक्षणों से पता चला कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया यानी लर्निंग प्रोसेस में गड़बड़ी हुई है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की स्थिति यह है कि छठी या सातवीं के बच्चे हिंदी की 10 पंक्तियों का शुद्ध पाठ नहीं कर पाते हैं। अपने दर्जे से कई क्लास नीचे के गणित के सवाल हल नहीं कर पाते हैं।

दूसरी ओर उच्च शिक्षा का हाल यह है कि पांच साल तक एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद डॉक्टर लोग एमडी की डिग्री के लिए नीट पीजी की परीक्षा देते हैं तो उनको माइनस 40 तक मार्क्स आ रहे हैं। दो सौ सवाल और आठ सौ अंकों की परीक्षा में इस साल काउंसिलिंग के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल शून्य कर दिया गया था। चार अंक लाने वालों का तो मेडिकल कॉलेज में दाखिला हुआ, एमडी की पढ़ाई के लिए। समझ सकते हैं कि प्राथमिक कक्षाओं से लेकर मेडिकल की पढ़ाई तक की क्या स्थिति है।

पढ़ाई के साथ साथ परीक्षा के भी बुरे दिन चल रहे हैं। इस साल हुई तीन परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार

किस तरह से परीक्षा को तदर्थ ढंग से ले रही है और उसका कितना बड़ा नुकसान किशोर व युवा उम्र के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे ताजा मामला सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा का है। इस बार सीबीएसई ने कॉपी जांचने के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम पद्धति अपनाई। इसके तहत 17 लाख से ज्यादा छात्रों की कॉपियों के लाखों पन्ने स्कैन किए गए और उन्हें सिस्टम पर अपलोड किया गया और जांचने वालों ने स्क्रीन पर उन स्कैन की गई कॉपियों को देख कर मार्किंग की।

इतना ही नहीं इस बार ऑन स्क्रीन मार्किंग के साथ साथ मार्किंग के तरीके में भी बदलाव किया गया। पता नहीं किस भावना के तहत यह तय किया गया कि इस बार कॉपी जांचने में सख्ती होगी और मामूली गड़बड़ी पर भी नंबर काटे जाएंगे। जैसे किसी छात्र ने आठ की बजाय छह स्टेप में गणित का सवाल हल कर दिया या सभी स्टेप सही हैं परंतु जवाब में गड़बड़ी है या जवाब सही है और स्टेप्स ठीक नहीं हैं तो उनको बहुत कम अंक मिलें हैं। पहले शिक्षक इसमें थोड़ा लचीला रुख रखते थे। इस बार ऐसा नहीं है। इसको अकादमिक फैसला मान कर स्वीकार किया जा सकता है। माना जा सकता है कि अब सीबीएसई बहुत शुद्धतावादी और कट्टर रुख रखेगा।परंतु इसके अलावा जो गड़बड़ियां हुई हैं वह व्यवस्थागत हैं। मिसाल के तौर पर लाखों पन्नों को स्कैन करके उन्हें अपलोड करते समय बहुत तरह की गड़बड़ी हुई। कई छात्रों की कॉपी का पहला पन्ना तो उनका था परंतु बाकी पन्ने दूसरे छात्र की कॉपी के थे। कई छात्रों की कॉपी के एक ही पन्ने कई बार अपलोड हो गए थे और कई पन्ने छूट गए थे। कई छात्रों की कॉपी के पन्ने ठीक तरह से स्कैन नहीं हुए और धुंधली कॉपी ही अपलोड कर दी गई। इन सारी गड़बड़ियों के बीच शिक्षकों ने पूरी सख्ती से कॉपी जांची। नतीजे आए तो बच्चों और अभिभावकों के हाथ पांव फूल गए।हजारों बच्चे ऐसे थे, जिन्होंने इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए जेईई मेन्स की परीक्षा में 85 या 90 या उससे ज्यादा पर्सेंटाइल हासिल किया है और जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई कर गए लेकिन 12वीं में 75 फीसदी अंक नहीं आए, जिसकी वजह से वे आईआईटी में दाखिला के लिए जेईई एडवांस की परीक्षा नहीं दे सकेंगे।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को आज अच्छी खबर मिलेगी। लवमेट के लिए दिन अच्छा है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपनी पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

जिमखाना पर इतना क्या शोक मनाना!

अजीत द्विवेदी

जिमखाना क्लब की 27.3 एकड़ जमीन की लीज केंद्र सरकार ने समाप्त कर दी है और क्लब को नोटिस भेज दिया गया है कि पांच जून तक इसे खाली कर दिया जाए। आधिकारिक रूप से कहा गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बुनियादी ढांचे का निर्माण होना है, जिसके लिए सरकार को यह जमीन चाहिए। दूसरी ओर क्लब के सदस्य इस नोटिस के खिलाफ अदालत पहुंचे हैं। हालांकि किसी को असल कारण पता नहीं है कि जिमखाना क्लब क्यों हटाया जा रहा है। इसलिए सब अपनी तरफ से कोई न कोई कारण बता रहे हैं। पहले उनकी बात करते हैं, जो फैसले के खिलाफ हैं और इसे हटाए जाने के कारण बता रहे हैं। जैसे किसी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं इसलिए वे जिमखाना क्लब को प्रधानमंत्री के आवासीय कॉम्प्लेक्स के अंदर लेना चाहते हैं। किसी ने कहा कि जिमखाना क्लब में होने वाली पार्टियों से लोक कल्याण मार्ग में रहने वालों को परेशानी होती है। इसलिए खाली कराया जा रहा है। इसके आगे किसी ने कहा कि मौजूदा निजाम के कुछ बड़े लोगों को सदस्यता नहीं मिली, जबकि राहुल गांधी इसके सदस्य हैं इस खुन्नस में खाली कराया जा रहा है। किसी ने कहा कि पुरानी तमाम चीजों से मौजूदा सत्ता को परेशानी है इसलिए खाली कराया जा रहा है। इसके बरक्स एक समूह ऐसे लोगों का है, जो इसे हटाए जाने का स्वागत कर रहे हैं। उनमें से किसी ने कहा कि यह ब्रिटिश साम्राज्य की निशानी है इसलिए इसको हटाया जाना चाहिए। किसी ने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीयों को अपमानित करने के लिए ऐसे क्लब बनाए थे और ये क्लब गुलामी का प्रतीक हैं इसलिए इनको हटा दिया जाना चाहिए। फिर किसी ने इसमें जोड़ा कि वामपंथी लोगों के बौद्धिक विलास का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। कुछ लोगों ने कहा कि दारूबाजी का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। दिल्ली सरकार के एक मंत्री ने कहा कि किसानों से जमीन मांगी जाती है तो वे दे देते हैं इसलिए एलिट जमात को भी इसे खाली कर देना चाहिए।

इस तरह राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चकल्लस है कि जिमखाना क्लब रहना चाहिए या हटना चाहिए। सरकार के लिए यह चकल्लस बहुत सुविधाजनक है क्योंकि इससे अटेंशन डिवाइड होता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई, नीट पेपरलीक, 12वीं के छात्रों की परेशानियों आदि के बीच जब जिमखाना जैसे मुद्दे आ जाते हैं तो सरकार के लिए ठीक ही रहता है। हो सकता है कि इसे हटाने का फैसला पहले से किया गया हो। लेकिन नोटिस भेजने की टाइमिंग तो निश्चित रूप से अटेंशन डिवाइड करने की योजना का हिस्सा है।

यह बहुत दिलचस्प है कि जिमखाना क्लब हटाने के पक्ष में जो तर्क दिए जा रहे हैं वो बेहद लचर और बचकाने हैं। जैसे सबसे मजबूत तर्क यह है दिल्ली के एलिट लोगों का, विशेषाधिकार प्राप्त समूह का क्लब है, जहां आम आदमी की एंट्री नहीं है। और इसलिए इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं है। इस तर्क के आधार पर तो दिल्ली के सारे क्लब बंद हो जाएंगे क्योंकि सब अभिजात्य और विशेषाधिकार प्राप्त समूहों के लिए ही हैं। कस्तूरबा गांधी मार्ग पर एक और विनय मार्ग पर दो बड़े क्लब हैं। सीएसओई क्लब, जो दिल्ली और भारत सरकार के अधिकारियों के लिए हैं। वहां भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर में भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। रायसीना रोड पर चेम्सफोर्ड क्लब और जनपथ पर मैसोनिक क्लब में भी आम आदमी नहीं जा सकता है। दिल्ली गोल्फ क्लब भी एक्सक्लूसिव है, एयरपोर्ट ऑथोरिटी का क्लब और रफी मार्ग पर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब भी विशिष्ठ लोगों के लिए ही है। तो क्या इस आधार पर कि इन क्लबों में कुछ सार्थक नहीं होता है, ये मनोरंजन की जगह हैं और आम आदमी की एंट्री नहीं होती है इसलिए इन सबको हटा दिया जाए? पूर्व सांसदों के लिए संसद से लेकर कांस्टीट्यूशन क्लब तक बैठने की जगह है, पूर्व सैन्य अधिकारियों के लिए सशस्त्र बलों के मेस हैं और अर्धसैनिक बलों के लिए भी है लेकिन पूर्व अधिकारियों के लिए कोई एलीट क्लब नही हो सकता है!

इसी तरह का एक तर्क ब्रिटिश काल में बने होने का है। इसका क्या अर्थ है? ब्रिटिश काल में बना था तो क्या अंग्रेज इसके लिए अपनी जमीन, अपना ईट, बालू, सीमेंट लेकर आए थे? क्या उनके मजदूर इसे बनाने आए थे? भारत की जमीन पर, भारत के पैसे से, भारत के मजदूरों के खून, पसीने से ही इसका निर्माण हुआ। अगर इस तर्क को मानें कि अंग्रेजी राज की सारी निशानी मिटा देनी है तो फिर लुटियन की दिल्ली के सारे बंगलों को भी तोड़ना पड़ेगा। इंडिया गेट से लेकर गेटवे ऑफ इंडिया तक को ध्वस्त करना होगा। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से लेकर महापंजीयक तक की संस्थाओं को समाप्त करना होगा क्योंकि वह सब भी अंग्रेजों ने बनाया था।

एक बेहूदा तर्क यह है कि जिमखाना क्लब दारू का अड्डा है और प्रधानमंत्री के आवास के पास ऐसा अड्डा नहीं चलने दिया जा सकता है। यह तर्क सरकार के एक सलाहकार महोदय की ओर से सबसे जोर शोर से दिया जा रहा है। अगर दारू का अड्डा के नाम पर इसे हटाने का फैसला होगा तो प्रेस क्लब और चेम्सफोर्ड क्लब का क्या होगा, जो संसद भवन के ठीक सामने हैं? प्रधानमंत्री आवास से ज्यादा शुचिता तो संसद भवन की होनी चाहिए! इस तर्क से तो सशस्त्र बलों से लेकर अर्धसैनिक बलों के लिए बने मेस तक को दारू का अड्डा घोषित किया जा सकता है। क्या सलाहकार महोदय को पता है कि और लुटियन की दिल्ली के अनेक बंगले होंगे, जहां दारू पी जाती होगी या दारू पार्टी होती होगी। कई बंगले प्रधानमंत्री आवास के आसपास ही होंगे। तो क्या इस आधार पर सबको तोड़ दिया जाए? वैसे यह सवाल भी है कि अगर अधिकारियों, पूर्व अधिकारियों या एलीट के लिए 27 एकड़ का क्लब नहीं हो सकता है तो केंद्र सरकार के मंत्री तीन तीन एकड़ के बंगलों में क्यों रहेंगे? उस जगह का भी तो सार्वजनिक इस्तेमाल हो सकता है!

हां, सुरक्षा का मामला हो सकता है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा सबसे ऊपर है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 30 मई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विनम्रता और क्षमाशीलता को लेकर संस्कृत सुभाषित शेयर किया। पीएम मोदी

ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं। इन गुणों के साथ ही आज देशवासी विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में निरंतर जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने तेज: क्षमा धृति: शौचमद्रोहो नातिमानिता। भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।। संस्कृत श्लोक भी साझा किया है। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, अदम्य धैर्य, आचरण की पवित्रता, राष्ट्र के प्रति निष्कपट भाव तथा अहंकाररहित व्यक्तित्व ये सभी गुण दैवी संपदा को प्राप्त व्यक्तित्व के लक्षण कहे गए हैं।बता दें कि प्रधानमंत्री की ओर से गुरुवार को भी सुभाषित शेयर किया गया था। उन्होंने लिखा था कि महान क्रांतिकारी और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन! वीरता और बौद्धिकता से भरा उनका व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। पीएम ने अनन्तोद्भूतभूतौघसङ्कुले भूतलेऽखिले। शस्त्रे शास्त्रे त्रिचतुराश्चतुरा यदि मादृशा:।। श्लोक साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि संसार में अनेक लोग केवल ज्ञान या केवल शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं, किंतु वास्तव में वे धीर गंभीर व्यक्तित्व अत्यंत विरले होते हैं जो ज्ञान और पराक्रम दोनों से युक्त हों।प्रधानमंत्री ने बुधवार को शेयर किए गए सुभाषित में लिखा था कि निरंतर प्रयास, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। आज देशवासी इसी भावना से भारतवर्ष को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहे हैं।उन्होंने यो यमर्थं प्रार्थयते तदर्थं चेह ते क्रमात। अवश्यं स तमाप्नोति न चेदर्थान् निवर्तते।। जिसका हिंदी अर्थ होता है कि जो व्यक्ति जिस लक्ष्य की प्रार्थना या इच्छा करता है और उसे पाने के लिए निरंतर क्रमबद्ध प्रयास करता है, वह उस लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेता है, बशर्ते वह बीच में हार मानकर अपने मार्ग से पीछे न हटे।

हार के बाद संभलने की तैयारी: इंडी गठबंधन 6 जून को करेगा बैठक, तय होगी आगे की रणनीति

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का जायजा लेने और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए विपक्षी इंडी गठबंधन आगामी 6 जून को एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहा है। इंडी गठबंधन की इस बैठक में क्षेत्रीय दलों की कमजोर होती स्थिति और चुनावी सूचियों (वोटर लिस्ट) में गड़बड़ी जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

दरअसल, अंग्रेजी वेबसाइट TOI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार और भाजपा की बढ़ती मजबूती के बीच, ममता बनर्जी की टीएमसी और राहुल गांधी सहित तमाम विपक्षी नेता अब आपसी मतभेदों को भुलाकर लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होने की तैयारी में हैं। विपक्षी दलों में यह चिंता लगातार गहरी हो रही है कि आपस में तालमेल और एकता की कमी का सीधा फायदा सत्ताधारी भाजपा को मिल रहा है, जिससे उसकी राजनीतिक पकड़ और मजबूत होती जा रही है।

डीआरआई (DRI) ने पटना में कोडीन आधारित कफ सिरप की 7500 बोतलें जब्त कीं; दो गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। मादक पदार्थ रोधी अभियानों के क्रम में, कोडीन आधारित कफ सिरप की एक बड़ी खेप के अवैध डायवर्जन के संबंध में प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, राजस्व आसूचना निदेशालय (DRI) के अधिकारियों ने राजेंद्रनगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन, पटना के परिसर के बाहर से एक टाटा इंट्रा पिकअप ट्रक को रोका और 26.05.2026 को कोडीन फॉस्फेट और ट्रिपोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड सिरप (ESkuf) की 7,500 बोतलें जब्त कीं।

मौके से दो व्यक्तियों को पकड़ा गया जिन्होंने उक्त कोडीन आधारित सिरप के चालान के साथ एक कंसाइनमेंट नोट प्रस्तुत किया। डीआरआई के अधिकारियों द्वारा तत्काल अनुवर्ती कार्रवाई/पूछताछ की गई, जिससे पता चला कि कंसाइनी का ड्रग लाइसेंस रद्द कर दिया गया था और वह फर्म अपने दिए गए पते पर मौजूद नहीं थी। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद कफ सिरप और पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया तथा पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को एनडीपीएस (NDPS) अधिनियम, 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। यह अभियान डीआरआई के अधिकारियों द्वारा नशीले पदार्थों और साइकोट्रोपिक पदार्थों की सीमा पार और देश के भीतर तस्करी को रोकने के चल रहे प्रयासों के तहत चलाया गया था। आपूर्ति श्रृंखला, वित्तीय संबंधों और फर्मों तथा व्यक्तियों की संलिप्तता की आगे की जांच जारी है

घुसपैठिए खुद लौट गए तो कोई केस नहीं, वरना..अमित शाह की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठिए स्वेच्छा से वापस लौट जाएं, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध घुसपैठ बर्दाश्त नहीं

अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन से जुड़े मुद्दों पर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अब हालात ऐसे बन रहे हैं कि अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने वाले लोग खुद ही वापस लौटने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती इलाकों में लगातार घुसपैठ की खबरें आती थीं, लेकिन अब प्रशासनिक सख्ती और पहचान अभियान के कारण स्थिति बदल रही है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि यदि अवैध रूप से रह रहे लोग स्वेच्छा से वापस चले जाते हैं, तो प्रक्रिया को मानवीय तरीके से पूरा किया जाएगा।

बंगाल में कार्रवाई तेज

गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चल रही कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अवैध घुसपैठियों की पहचान और निगरानी के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है और घुसपैठ रोकने के लिए कई नए इंतजाम किए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में अवैध रूप से रह रहे हर व्यक्ति की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई करना है।

सीमा फेंसिंग पर जोर

अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग कार्य को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लंबे समय से लंबित सीमा सुरक्षा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में जुटी है।

उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में सीमा सुरक्षा बल (BSF) को बड़ी मात्रा में जमीन उपलब्ध कराई है, जिससे सीमा पर बाड़बंदी का काम तेज किया जा सकेगा। शाह के अनुसार, कुछ ही दिनों में सैकड़ों हेक्टेयर भूमि BSF को सौंपी गई है, जिससे सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

जनसांख्यिकीय बदलाव पर चिंता

गृह मंत्री ने कहा कि देश में अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर केंद्र सरकार बेहद गंभीर है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो सीमावर्ती राज्यों की स्थिति और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा कर रही है।उन्होंने दोहराया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सरकार अवैध घुसपैठ रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाती रहेगी।

राज्यपाल ने स्वीकार किया सिद्धारमैया का इस्तीफा, फिलहाल कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। राज्यपाल कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सिद्धारमैया ने 28 मई 2026 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपा था, जिसे 29 मई 2026 को स्वीकार कर लिया गया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कहा, मैंने आपके द्वारा प्रस्तुत इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। जब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक आप कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते रहें। कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को भेजे गए पत्र में राज्यपाल के विशेष सचिव आर. प्रभु शंकर ने कहा कि संबंधित अधिसूचना के तहत सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है और उनकी मंत्रिपरिषद भंग कर दी गई है। राज्यपाल द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि सिद्धारमैया तब तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहेंगे, जब तक नए मुख्यमंत्री के चयन और शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती।

देहरादून : बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उनकी पत्नी गीता पुष्कर धामी और उनके बेटों दिवाकर धामी तथा प्रभाकर धामी से मुलाकात की।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा, घर में आग लगने से पूर्व आईएएस अधिकारी व सीसीआई के पहले चेयरमैन की मौत

नई दिल्ल,(आरएनएस)। दिल्ली के हौज खास इलाके में गुरुवार रात एक घर में आग लगने की घटना में रिटायर आईएएस अधिकारी और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पहले चेयरमैन धनेंद्र कुमार का निधन हो गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग एसी में धमाके के बाद लगी। हादसे में उनका बेटा भी घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 11:18 बजे दक्षिण दिल्ली के पॉश हौज खास इलाके स्थित धनेंद्र कुमार के घर में आग लगी। उस समय घर में परिवार के सदस्यों और घरेलू कर्मचारियों समेत कुल पांच लोग मौजूद थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घर में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। वहीं, दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की।अधिकारियों ने बताया कि 80 वर्षीय धनेंद्र कुमार और उनके बेटे को घर से निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान धनेंद्र कुमार की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ज्यादा धुआं अंदर चले जाने से उनकी हालत बिगड़ गई थी। उनके बेटे की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घर में लगे एसी के इनडोर यूनिट में धमाका होने के बाद आग लगी हो सकती है। फिलहाल पुलिस को किसी तरह की साजिश या गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं।धनेंद्र कुमार देश के जाने-माने प्रशासनिक अधिकारियों में गिने जाते थे।

वह 1968 बैच के आईएएस अधिकारी थे और उन्होंने केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार में कई अहम पदों पर काम किया। उन्होंने रक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय समेत कई मंत्रालयों में वरिष्ठ पद संभाले।

पंजाब निकाय चुनाव 'आप' ने जीतीं 89 सीटें और 78 सीटों पर बनाई बढ़त, अकालियों ने जीतीं 25; जानें भाजपा-कांग्रेस का हाल

चंडीगढ़(आरएनएस)। पंजाब में 27 मई को निकाय चुनाव हुए थे। आज 8 नगर निगमों, 75 नगर कौंसिलों और 20 नगर पंचायतों के चुनावों के लिए मतगणना जारी है। जानकारी के मुताबिक समाना नगर काउंसिल में 35 मिनट देरी से काउंटिंग शुरू हुई।

बता दें राज्य में कुल 115 काउंटिंग सेंटर बनाए गए हैं। मतगणना के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सभी सेंटरों में सुरक्षा घेरा बनाया गया है, ताकि किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोका जा सके।आम आदमी पार्टी (AAP) 89 सीटें जीत चुकी है, जबकि 78 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। वहीं, चुनाव में खड़े हुए आजाद उम्मीदवार 23 सीटें जीत चुके हैं और 33 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। अब तक अकाली दल के 25 उम्मीदवार चुनाव जीत चुके हैं, जबकि 23 सीटों पर पार्टी कैंडिडेट आगे चल रहे हैं। कांग्रेस अब तक 16 सीटें जीत चुकी है और 25 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। बीजेपी दो सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है, जबकि 11 सीटों पर उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। वहीं, बसपा भी एक सीट पर बढ़त बनाए हुए है।केवल पासधारी उम्मीदवारों और उनके काउंटिंग एजेंटों को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई है। स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटरों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों की मदद से की जा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हमीरपुर पुल हादसे पर जताया दुख, मृतकों के आश्रितों को 5-5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजे की घोषणा

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में भीषण तूफान की वजह से निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया, जिससे मलबे के नीचे दबकर छह श्रमिकों की जान चली गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवारों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के लिए निर्देश दिए हैं। सीएम ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य तेज करने का प्रशासन को निर्देश दिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों से अधिकारियों की ओर से संवाद बनाकर हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।हमीरपुर के डीएम अभिषेक गोयल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 28 और 29 मई की मध्यरात्रि करीब 2 बजे सूचना मिली कि थाना लालपुर क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा की मवाईजार को जोड़ने के लिए बन रहे पुल का स्लैब गिर गया है, जिसके नीचे कुछ लोग दब गए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए। मौसम को लेकर पहले ही मौसम विभाग और प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की गई थी।उन्होंने बताया कि हादसे के बाद राहत बचाव कार्य जारी किया गया। जानकारी के अनुसार कुछ मजदूर बारिश से बचने के लिए नीचे रखी गई मशीन के पास खड़े थे, तभी ये हादसा हो गया।हमीरपुर के एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि जैसे ही हम लोगों को सूचना मिली, स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए थे। छह लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है, जिनमें से पांच लोगों की पहचान कर ली गई है।

राहुल गांधी से मिले सिद्धारमैया; इस्तीफे के बाद दिल्ली पहुंचते ही सौंपी ख्वाहिशों की लिस्ट, बेटे के लिए मांगा बड़ा पद

कर्नाटक,(आरएनएस)। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार हो गया है। गुरुवार देर रात बेंगलुरु लौटने के बाद राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर कर लिया। सीएम पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे के अंदर सिद्धारमैया दिल्ली पहुंच गए। नई दिल्ली प्रवास के दौरान सिद्धारमैया ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। अपने बेटे यतींद्र सिद्धारमैया के साथ दिल्ली पहुंचे कर्नाटक के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली पहुंचते ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को ख्वाहिशों की लिस्ट सौंपी। सिद्धारमैया ने बेटे यतींद्र सिद्धारमैया के लिए पार्टी हाईकमान से बड़ा पद मांगा।झबता दें कि सीएम पद से इस्तीफे के बदले कांग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया को केंद्रीय नेतृत्व में बड़ा पद देने का ऑफर किया है। कांग्रेस सूत्रों की जानकारी के मुताबिक पार्टी हाईकमान ने सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजने और एआईसीसी में बड़ा पजद का ऑफर किया है।

पटरी पर दौड़ने को तैयार देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका जैसे चुनिंदा देशों के क्लब में हम भी शामिल

हैदराबाद (ए.)। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। रेलवे बोर्ड ने उत्तरी रेलवे के जींद-सोनीपत खंड पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल से चलने वाली 10 डिब्बों की इस विशेष ट्रेन को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक परिपत्र के अनुसार, 1200 किलोवॉट हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणोदन प्रणाली से लैस यह ट्रेन अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। इस अनूठी पहल के साथ ही भारत अब जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका जैसे उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। चूंकि यह तकनीक अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए दुनिया के गिने-चुने देशों में ही इसका परीक्षण या संचालन किया जा रहा है। देश में इस पर्यावरण-अनुकूल ट्रेन का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

सरकार इसे तेल आयात पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा के नए विकल्प के रूप में देख रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत सरकार ने शुरुआती चरण में ऐसी 35 ट्रेनों के विकास के लिए लगभग 2,800 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इन ट्रेनों को मुख्य रूप से उन ऐतिहासिक और पहाड़ी मार्गों पर चलाया जाएगा जहाँ अभी तक

बिजली की लाइनें (विद्युतीकरण) नहीं बिछ पाई हैं। इसके पायलट प्रोजेक्ट के लिए जींद-सोनीपत मार्ग को चुना गया है, क्योंकि जींद में ईंधन भरने और हाइड्रोजन भंडारण की सुविधा उपलब्ध है। इस ट्रेन को मौजूदा डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डीईएमयू) रेक में हाइड्रोजन फ्यूल सेल लगाकर तैयार किया गया है। यह तकनीक हाइड्रोजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली बनाती है और इससे धुएं के बजाय सिर्फ जल वाष्प (पानी की भाप) उत्सर्जित होती है, जो इसे पारंपरिक ईंधन का सबसे स्वच्छ विकल्प बनाती है। परियोजना की सुरक्षा को लेकर भी कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) ने साइट पर संपीड़ित हाइड्रोजन गैस के भंडारण और वितरण के लिए जरूरी लाइसेंस जारी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से हाइड्रोजन संयंत्र और ईंधन भरने वाले पूरे परिसर में अनधिकृत प्रवेश रोकने के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही, हाइड्रोजन रिसाव (लीकेज) और ज्वाला (फायर) डिटेक्टर जैसे सुरक्षा सेंसरों का नियमित निरीक्षण और सफाई की जाएगी ताकि धूल जमा न हो।

इस ट्रेन का रख-रखाव दिल्ली के शकूरबस्ती शेड में किया जाएगा और वहाँ ले जाने के लिए इसे किसी अन्य इंजन (लोकोमोटिव) की मदद से निष्क्रिय अवस्था में खींचा जाएगा। सुरक्षित परिचालन के लिए रेलवे ने बेहद सख्त नियम-कायदे तय किए हैं। इसके तहत ईंधन भरने की प्रणाली की चौबीसों घंटे निगरानी होगी और केवल प्रशिक्षित और प्रमाणित कर्मचारी ही तैनात किए जाएंगे। शुरुआती तीन महीनों तक ट्रेन के सफर के दौरान भी तकनीकी विशेषज्ञ साथ रहेंगे ताकि रास्ते में आने वाली किसी भी समस्या का तुरंत निपटारा किया जा सके। दूसरी ओर, कुछ विशेषज्ञ इस तकनीक को लेकर अभी सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि बड़े पैमाने पर इसका सफल परीक्षण होना अभी बाकी है और इसमें लागत भी अधिक आती है। पूर्व-मध्य रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक एलसी त्रिवेदी का मानना है कि भारतीय रेलवे जब लगभग 100 प्रतिशत ब्रॉड गेज विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर रहा है, तो नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर या विंड एनर्जी) को सीधे विशेष विद्युत प्रणाली (ट्रैक्शन नेटवर्क) से जोड़ना ज्यादा कुशल और किफायती रास्ता साबित हो सकता है।

हैवान बना पिता! बेटे को पीटकर गर्म रेत पर छोड़ा, मौत के बाद नदी में दफनाया शव

नई दिल्ली,(आरएनएस)। औरंगाबाद जिले के गोह प्रखंड से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। उपहारा गांव में एक पिता पर अपने ही 13 वर्षीय बेटे की बेरहमी से हत्या करने और शव को नदी किनारे दफनाने का आरोप लगा है। घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता और सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मृतक खेसरिया कुमार का अपनी सौतेली मां मंजू देवी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि मंजू देवी रिश्ते में उसकी मौसी भी लगती है। विवाद के बाद महिला ने अपने पति से शिकायत की, जिसके बाद गुस्से में आकर पिता ने बेटे की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। पिटाई इतनी गंभीर थी कि बच्चा वहीं गिर पड़ा, लेकिन आरोपी का दिल नहीं पसीजा।पुलिस की शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि घायल अवस्था में भी बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया। आरोप है कि पिता ने बेटे के हाथ-पैर बांधकर उसे तपती धूप में गर्म बालू पर छोड़ दिया। भीषण गर्मी और चोटों के कारण उसकी हालत बिगड़ती चली गई और अंततः उसकी मौत हो गई।घटना के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, वह शव को करीब 7 किलोमीटर दूर अरवल जिले के बंशी थाना क्षेत्र स्थित पुनपुन नदी के बालूघाट पर ले गया और वहां दफना दिया।

ईरान-अमेरिका समझौता करीब लेकिन अभी डील पूरी नहीं हुई है ', अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

वॉशिंगटन/तेहरान (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और संघर्ष को समाप्त करने के लिए चल रही बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्टपति JD Vance ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में वेंस ने कहा कि यूरेनियम संवर्धन समेत कई अहम विषयों पर चर्चा जारी है। उन्होंने कहा, हम अभी अंतिम समझौते तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और वार्ता आगे बढ़ रही है।

उन्होंने दावा किया कि समझौता होने पर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोला जा सकेगा। वेंस के अनुसार, अमेरिका ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों तक बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन इसे अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी

मिलना बाकी है।

हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी Tasnim News Agency ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम के उत्पादन और उसके भंडार को समाप्त करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है।रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इसके तहत ईरान को 30 दिनों के भीतर समुद्री मार्ग में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाना होगा। बदले में अमेरिका कुछ प्रतिबंधों में राहत देकर ईरान के तेल निर्यात को फिर से शुरू करने की अनुमति दे सकता है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया में 14 बिंदुओं वाले कथित समझौता मसौदे की चर्चा भी सामने आई, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने और क्षेत्र से अमेरिकी बलों की वापसी जैसे प्रावधान बताए गए। हालांकि, White House ने इस दस्तावेज को मनगढ़ंत बताया है। समझौते की बातचीत के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) ने दावा किया कि उसने क्षेत्र में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाया, जबकि अमेरिकी सेना ने इन दावों को खारिज किया है।होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। वैश्विक स्तर पर तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (स्न्ह्व) का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को क्षेत्रीय शांति के साथ-साथ वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिस टेक्नोलॉजी से अमेरिका डराता था, उसी से किम ने बना डाली मिसाइल

प्योंगयांग(ए.)। उत्तर कोरिया एक बार फिर दुनिया के लिए बड़ी सैन्य चुनौती बनकर उभर रहा है। वहां के राष्ट्रप्रमुख किम जोंग उन ने हाल ही में जिन नए मिसाइल और टैक्टिकल स्ट्राइक सिस्टम का प्रदर्शन किया है, वे केवल हथियारों का सामान्य परीक्षण नहीं हैं, बल्कि युद्ध की पूरी रणनीति को बदलने का एक बड़ा संकेत हैं। प्योंगयांग अब पारंपरिक भारी तोपखाने और अधिक सैनिकों वाली अपनी पुरानी युद्ध नीति से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और प्रिसिजन स्ट्राइक पर आधारित आधुनिक स्मार्ट वॉरफेयर मॉडल की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इस सैन्य बदलाव का सीधा असर न सिर्फ कोरियाई प्रायद्वीप तक सीमित रहेगा, बल्कि पूरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र इसकी सीधी जद में आ सकता है। हालिया परीक्षणों में उत्तर कोरिया ने हल्के मॉड्यूलर मिसाइल लॉन्चर, मल्टीपल टैक्टिकल क्रूज मिसाइल सिस्टम और एआई-आधारित गाइडेंस टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया है।

ईरान ने अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का दावा किया, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ा तनाव

तेहरान (आरएनएस)। ईरान के दक्षिणी प्रांत बुशहर में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए। ईरानी मीडिया के मुताबिक एक घुसपैठ करने वाले अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया गया। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से कहा कि ईरान की एयर डिफेंस प्रणाली ने बुशहर के पास एक अमेरिकी ड्रोन को मिसाइल दागकर रोक दिया।

समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि ईरान की सेना ने देश के दक्षिणी इलाकों से कुछ लक्ष्यों पर मिसाइलें दागीं। कुछ स्थानीय सूत्रों ने खाड़ी क्षेत्र में झड़पों की संभावना भी जताई। समाचार एजेंसी मेहर ने कहा कि ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की। बताया गया कि ये जहाज ईरान से बिना समन्वय किए जलमार्ग पार करने की कोशिश कर रहे थे।

गुरुवार तड़के ईरानी मीडिया ने बंदर अब्बास शहर के पूर्वी हिस्से में तीन धमाकों की खबर दी। बाद में कई अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि अमेरिकी सेना ने रातभर ईरान में हमले किए। इन हमलों में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया गया, जिसे वॉशिंगटन ने अमेरिकी सैनिकों और व्यावसायिक जहाजों के लिए खतरा बताया।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने गुरुवार सुबह बंदर अब्बास पर अमेरिकी हमलों के जवाब में एक अमेरिकी एयर बेस पर हमला किया। इस बीच, मंगलवार को ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं में अपने 24 अरब डॉलर के फ्रीज फंड जारी करने की मांग की थी। तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार, यह मांग युद्ध खत्म करने को लेकर हो रही बातचीत के दौरान उठाई गई।

ईरान, अमेरिका और इजरायल ने 40 दिनों की लड़ाई के बाद 8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी। इसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों के बीच शांति वार्ता हुई, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने पाकिस्तान की मध्यस्थता में संघर्ष खत्म करने की शर्तों को लेकर कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

यौन हिंसा के आरोपों को लेकर ब्लैकलिस्ट में रूस और इजरायल, UN का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र (UN) ने इजरायल और रूस की सुरक्षा एजेंसियों को सशस्त्र संघर्षों के दौरान कथित यौन हिंसा और बलात्कार के मामलों में अपनी ब्लैकलिस्ट में शामिल किया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की आगामी रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है, जिसकी समीक्षा अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी एफपी ने की है।रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी बंदियों और यूक्रेनी युद्धबंदियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के कई विश्वसनीय मामलों का उल्लेख किया गया है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र जांचकर्ताओं को संबंधित क्षेत्रों और हिरासत केंद्रों तक पूरी पहुंच नहीं मिल सकी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अगस्त 2025 में ही रूस और इजरायल को इस सूची में शामिल किए जाने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद, यूक्रेन युद्ध और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में कथित यौन हिंसा के मामलों की रिपोर्ट लगातार सामने आती रही।दस्तावेज में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बाद भी दोनों देशों के अधिकारियों ने जांचकर्ताओं को आवश्यक पहुंच उपलब्ध नहीं कराई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि जांच में बाधाओं और सीमित पहुंच के बावजूद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उस सूची में शामिल किया गया है, जिसमें संघर्ष के दौरान यौन हिंसा के आरोपों का सामना कर रहे पक्षों को चिन्हित किया जाता है।

ईरान के बाद अब ट्रंप ने एक और देश से लिया पंगा, बचाने के लिए मैदान में आया ये देश

तेहरान/मस्कट (आरएनएस)। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित धमकी के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। इस बयान के बाद ईरान ने ओमान के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने की बात कही है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान, अमेरिकी अधिकारियों की धमकियों के खिलाफ ओमान के साथ खड़ा है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर कहा कि यदि ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के मुद्दे पर बाकी देशों की तरह व्यवहार नहीं किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

बाघेई ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की धमकियां क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि किसी ऐसे देश को धमकाना, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में लगातार रचनात्मक और जिम्मेदार भूमिका निभाता रहा है, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कानून की धज्जियां उड़ाने और दबाव की राजनीति को सामान्य बनाने का खतरनाक संकेत है।उन्होंने कहा कि संबंधित देश वर्षों से क्षेत्रीय शांति प्रक्रियाओं में मध्यस्थ की भूमिका निभाता आया है और स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों में सक्रिय रहा है। ऐसे में उसे सैन्य धमकी देना न केवल बल प्रयोग पर प्रतिबंध के सिद्धांत का उल्लंघन है, बल्कि वैश्विक कूटनीति के मूल ढांचे को भी कमजोर करता है। बाघेई ने इसे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में धौंस जमाने और अव्यवस्था के सामान्यीकरण की प्रवृत्ति बताया और कहा कि ऐसे कदम वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

यौन हिंसा के आरोपों को लेकर ब्लैकलिस्ट में रूस और इजरायल, यूएन का बड़ा एक्शन

इजरायल (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायल और रूस की सुरक्षा एजेंसियों को सशस्त्र संघर्षों के दौरान कथित यौन हिंसा और बलात्कार के मामलों में अपनी ब्लैकलिस्ट में शामिल किया है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की आगामी रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है, जिसकी समीक्षा अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी एफपी ने की है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी बंदियों और यूक्रेनी युद्धबंदियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के कई विश्वसनीय मामलों का उल्लेख किया गया है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र जांचकर्ताओं को संबंधित क्षेत्रों और हिरासत केंद्रों तक पूरी पहुंच नहीं मिल सकी।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अगस्त 2025 में ही रूस और इजरायल को इस सूची में शामिल किए जाने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद, यूक्रेन युद्ध और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में कथित यौन हिंसा के मामलों की रिपोर्ट लगातार सामने आती रही।दस्तावेज में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बाद भी दोनों देशों के अधिकारियों ने जांचकर्ताओं को आवश्यक पहुंच उपलब्ध नहीं कराई।

फीचर

दवाइयां हुई फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग, रात का अनुभव किया शेयर

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा।

वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे एब्डोमेन में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली-सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा

था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए।

उन्होंने बताया, दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट-पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो।

नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी, पिया का घर, और रिश्तों का चक्रव्यूह जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने दमदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता : सैफ अली खान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।

इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।

बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- मैं गिटार खेलता हूं। यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है।

इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी।

उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।

'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं। सैफ का मानना है कि अगर अभिनेता अपने प्रति सच्चा रहे तो उसकी अपनी झलक किरदार में जरूर आएगी।

गोवा में समीरा रेड्डी के बगीचे से अर्चना पूरन सिंह ने तोड़े काजू, पति और बेटों संग लिया अनोखे फल का मजा

अभिनेत्री समीरा रेड्डी मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान अर्चना ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा। अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अर्चना अपने परिवार के साथ पहली बार काजू का फल चख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मज़ेदार अनुभव के बारे में बताती हैं। वहीं, अर्चना कहती हैं कि ये फल उनकी जिंदगी की खास यादों में एक है। अर्चना के पति परमीत सेठी और उनके बेटे आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी भी इस पल का एक साथ आनंद लेते हुए दिखाई दिए।

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए, समीरा ने लिखा, हमारे घर पर अर्चना पूरन सिंह ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा।

बता दें कि अभिनेत्री समीरा रेड्डी कोविड-19 महामारी के दौरान मुंबई से गोवा शिफ्ट हो गई थीं, ताकि वे शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर एक शांत जीवन जी सकें। समीरा रेड्डी गोवा में अपने परिवार के साथ एक शांत और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली जी रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए गोवा में बिताए पलों को शेयर करती हैं। हालांकि, अभिनेत्री अपने काम के सिलसिले में मुंबई आती-जाती रही हैं।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म आखिरी सवाल में नजर आई थी, जो 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करते हुए समीरा ने प्रोफेसर पल्लवी मेनन का किरदार निभाया है, जो एक वामपंथी विचारक हैं।

इस राजनीतिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है और इसमें समीरा रेड्डी ने एक महत्वपूर्ण नेगेटिव भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, नमाशी चक्रवर्ती और अमित साध भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं, कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना आना चाहिए

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म ऑब्सेस की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री

का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने से बातचीत में बताया, एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।

आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। ऑब्सेस के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।

भीषण गर्मी के बीच मौसम में बदलाव के संकेत

27 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट जारी

रायपुर, (आरएनएस)। छग में नवतपा के बीच इन दिनों भीषण गर्मी से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। दोपहर में शहर की सड़कें वीरान होती है। आवश्यक कामकाज से ही लोग बाहर निकल रहे है। मौसम विभाग रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार छग में नवतपा के बीच बदलाव के संकेत मिले है। अगले 24 घंटे में आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। जिन जिलों के प्रभावित होने की संभावना है उनमें अंबिकापुर, सूरजपुर जैसे क्षेत्र शामिल है। वहां हल्की वर्षा भी हुई है जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। रायपुर सहित कई जिलों में मौसम विभाग ने आंधी बारिश को लेकर आरेंज एलर्ट जारी किया है। तापमान में 24 घंटों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एक दो क्षेत्रों में ग्रीष्म लहर चली है। आज से पूरे प्रदेश में मेघ गरजना के साथ ही तेज हवा वज्रपात और वर्षा होने की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। 27 जिलों में तेज बारिश के साथ आंधी आकाशीय बिजली चमकने का अलर्ट जारी हुआ है जिनमें जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर में पानी गिरेगा।

वरिष्ठ पत्रकार के साथ हुई घटनाक्रम पर जताई चिंता, जनसंपर्क विभाग से संवाद पर दिया जोर

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर प्रेस क्लब कार्यकारिणी की आपात बैठक आज प्रेस क्लब परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार समरेंद्र शर्मा से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई तथा घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए इसका कड़ा विरोध किया गया।

कार्यकारिणी सदस्यों ने कहा कि पत्रकारों का सम्मान और गरिमा लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना से जुड़ा विषय है। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि पत्रकारों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच स्वस्थ संवाद, पारस्परिक सम्मान और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।रायपुर प्रेस क्लब ने संबंधित घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए जनसंपर्क विभाग से इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार करने और पत्रकारों की शिकायतों एवं चिंताओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनने का आग्रह किया। बैठक में सहमति बनी कि किसी भी प्रकार के विवाद या असहमति का समाधान संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। कार्यकारिणी ने एक स्वर में कहा कि रायपुर प्रेस क्लब सदैव पत्रकार हितों, सम्मानजनक व्यवहार, अभिव्यक्ति की गरिमा और स्वस्थ संवाद की परंपरा के पक्ष में खड़ा रहेगा तथा सभी पक्षों के बीच बेहतर समन्वय और संवाद कायम करने के प्रयासों का समर्थन करेगा।

नवतपा के दौरान भीषण गर्मी में गहराया जल संकट, खनन क्षेत्रों के गांवों में बढ़ी समस्या

कोरबा (आरएनएस)। जिले में नौतपा के दौरान पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर खनन प्रभावित क्षेत्र गेवरा, दीपका और कुसमुंडा के आसपास बसे ग्रामीण इलाकों में जल संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और भूजल स्तर में गिरावट के कारण गांवों के हैंडपंप, कुएं और बोरवेल जवाब देने लगे हैं, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए रोज संघर्ष करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में पानी की समस्या उत्पन्न होती है, लेकिन इस बार स्थिति अधिक चिंताजनक है। कई गांवों में सुबह होते ही महिलाएं और बच्चे पानी भरने के लिए बर्तनों के साथ लंबी कतारों में खड़े दिखाई देते हैं। कहीं-कहीं लोगों को एक से दो किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। पर्याप्त पानी नहीं मिलने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ पशुपालन और खेती-किसानी भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार खनन गतिविधियों और लगातार हो रहे भूजल दोहन के कारण क्षेत्र का जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। पहले जिन कुओं और हैंडपंपों में सालभर पानी उपलब्ध रहता था, वे अब गर्मी शुरू होते ही सूखने लगे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित कंपनियों से स्थायी जल व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि गर्मी के दिनों में लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट का असर आम जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है।

IRCTC और रेलवे लोगो का दुरुपयोगः कम साइज़ के चाय कप बनाने वाली फर्म पर बड़ी कार्रवाई

रायपुर (ए.)। रायपुर रेल मंडल और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए IRCTC और रेलवे के लोगो का दुरुपयोग कर निर्धारित क्षमता से कम साइज़ के चाय के पेपर कप बनाने वाली फर्म के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में कम क्षमता वाले कप जब्त किए गए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी को रायपुर रेलवे स्टेशन के स्टॉलों पर उपयोग हो रहे चाय कप की क्षमता पर संदेह हुआ। जांच में पाया गया कि 170/150 एमएल क्षमता वाले बताए जा रहे कप वास्तविक मानक से छोटे थे। पूछताछ में पता चला कि कपों की आपूर्ति नर्मदापारा स्थित रवि ट्रेडिंग द्वारा की जा रही थी। आगे की जांच में सामने आया कि ये कप गुढ़ियारी स्थित आदित्य पेपर फर्म से खरीदे गए थे।

एसडीएम रायपुर नंद कुमार चौबे, नापतोल विभाग के निरीक्षक जीवंत सिंह कंवर, रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की संयुक्त टीम ने आदित्य पेपर फर्म में जांच की। कार्रवाई के दौरान कम क्षमता वाले कपों के 14 बोरे बरामद किए गए। नापतोल विभाग ने 20 कपों की माप क्षमता जांच के लिए ली तथा सभी 14 बोरों को सील कर जब्त कर लिया। जांच में यह भी पाया गया कि कपों पर IRCTC का लोगो बिना अनुमति के उपयोग किया जा रहा था। अधिकारियों ने संबंधित संचालकों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक टी. नाग, अभिजीत डे, धनंजय तथा चीफ पब्लिसिटी इंस्पेक्टर शिवप्रसाद भी शामिल रहे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने कहा कि यात्रियों को परोसे जाने वाले खाद्य एवं पेय पदार्थों में गुणवत्ता और मात्रा के निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य है।

जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता, पैनिक बुकिंग की आवश्यकता नहीं

महासमुंद,(आरएनएस)। जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति, दैनिक आवश्यकता एवं उपलब्धता की समीक्षा के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक लेकर खाद्य विभाग के अधिकारियों एवं जिले के सभी गैस एजेंसियों से जानकारी ली।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि एलपीजी वितरकों के गोदाम में उपलब्ध रिफिल सिलेंडर का स्टॉक का नियमित रूप से निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन किया जाए। वितरकों के पास उपलब्ध ऑनलाइन स्टॉक एवं भौतिक सत्यापन में पाए गए स्टॉक का अनिवार्य रूप से मिलान करें एवं मिलान में अंतर एवं अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि गैस एजेंसी डिलीवरी दर्शाकर समय पर डिलीवरी नहीं करते तो उन पर कड़ी कार्रवाई किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में अभी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। गैस एजेंसी संचालकों ने जानकारी दी कि उनके पास घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और जिले में उपभोक्ताओं की बुकिंग के अनुसार गैस सिलेंडरों की डिलीवरी सुचारू रूप से की जा रही है। उन्होंने बताया कि सप्लाई प्लांट से भी गैस सिलेंडरों की उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि अभी जिले में लगभग 3748 गैस सिलेंडर उपलब्ध है। गत दिवस 2222 गैस सिलेंडर डिलीवर किया गया था। जिले में 18 गैस एजेंसी संचालित हैं।बैठक में गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि वे हितग्राहियों को उनकी बुकिंग और पात्रता के अनुसार निर्धारित क्रम में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएं।

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है।

(रायपुर) हज कमेटी अध्यक्ष ने दी मुख्यमंत्री साय को ईदुल अज़हा की बधाई।

खेल समाचार

ऐतिहासिक बना आरआर बनाम एसआरएच मुकाबला, छक्कों का नया रिकॉर्ड किया कायम

न्यू चंडीगढ, (आरएनएस)। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 47 रनों से हराया। इस मुकाबले में छक्कों का नया रिकॉर्ड कायम हुआ। दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने कुल मिलाकर इस मैच में 26 छक्के लगाए।

आईपीएल के एक प्लेऑफ मुकाबले में लगे यह सर्वाधिक छक्के भी हैं। इससे पहले साल 2025 में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच हुए एलिमिनेटर मैच में दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने मिलकर 25 छक्के लगाए थे। बुधवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने कुल 17 छक्के लगाए, जिसमें से 12 छक्के वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से आए। वहीं, एसआरएच के बल्लेबाजों ने मैच में कुल 9 छक्के लगाए।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत शानदार रही। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 48 गेंदों में 125 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। यशस्वी ने 29 गेंदों में 29 रन बनाए। वहीं, वैभव ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए महज 29 गेंदों में 97 रनों की तूफानी पारी खेली। वैभव ने अपनी पारी में 5 चौके और 12 छक्के लगाए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने 21 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। कप्तान रियान पराग ने 12 गेंदों में 26 रन बनाए, तो रविंद्र जडेजा ने 9 गेंदों में नाबाद 12 रन बनाए।

244 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की पूरी टीम 196 रन बनाकर ऑलआउट हुई। अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, ट्रेविस हेड 17 रन बनाकर जोफा आर्चर का शिकार बने। ईशान किशन ने 11 गेंदों में 33 रनों की पारी खेली, लेकिन वह अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके।

हेनरिक क्लासेन एलिमिनेटर मुकाबले में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 10 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश कुमार रेड्डी ने एसआरएच की ओर से सर्वाधिक 38 रन बनाए, तो साहिल अरोड़ा ने 35 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में शिवांग कुमार ने 27 रन बनाए। आरआर की ओर से गेंदबाजी में जोफा आर्चर ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि नांद्रे बर्गर, सुशांत मिश्रा और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट चटकाए।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम का ऐलान

ब्यूनस आयर्स (आरएनएस)।अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए 26 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। लियोनेल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील ने 1962 में आखिरी बार अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद से कोई भी टीम लगातार दो बार विश्व कप की ट्रॉफी को अपने नाम नहीं कर सकी है। मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना टीम का अटैक काफी मजबूत नजर आ रहा है। मेसी का साथ इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज और एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज देते हुए नजर आएंगे। कोच स्कालोनी ने इस बार कुछ नए खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताया है, जो कतर वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा नहीं थे। इनमें वैलेंटिन बार्को शामिल हैं, जिन्होंने यूरोप में बेहतरीन सीजन खेला। इसके अलावा जोस मैनुअल लोपेज को भी मौका मिला है। वह ब्राजील के क्लबपाल्मेरास के सेंटर-फॉरवर्ड हैं और जरूरत पड़ने पर अल्वारेज और मार्टिनेज के बैकअप के रूप में खेल सकते हैं। निको पाज को भी टीम में जगह दी गई है। उन्होंने कोमो 1907 के लिए शानदार प्रदर्शन किया है, इसलिए कोचिंग स्टाफ उन्हें काफी पसंद करता है।लियोनेल मेसी अपना छठा वर्ल्ड कप खेलने उतरेंगे। इंटर मियामी के लिए अपने आखिरी मैच में मेसी दिक्कत में नजर आए थे और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। हालांकि, क्लब ने बताया था कि उनकी इंजरी गंभीर नहीं है और उनके बाएं हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों में सिर्फ थकान है।

IPL में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत ने छोड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी, फैंस हैरान

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्रदर्शन' शर्मनाक' रहा। ये टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर रही। 'प्लेऑफ' की रेस से बाहर होने के बाद पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया है। खुद फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर इसकी जानकारी दी। लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) यह औपचारिक तौर पर घोषित करना चाहती है कि ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी के साथ अपनी कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त होने का अनुरोध किया है। फ्रेंचाइजी ने तत्काल प्रभाव से उनके इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। एलएसजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, ऋषभ ने इस अनुरोध के साथ फ्रेंचाइजी से संपर्क किया और हमने सम्मानपूर्वक इसे स्वीकार कर लिया है। ये फैसले कभी भी आसान नहीं होते। हम उन सभी चीजों के लिए आभारी हैं, जो ऋषभ बतौर कप्तान इस ड्रेसिंग रूम में लाए हैं।

अब हमारा ध्यान सामूहिक प्रयासों पर है- सर्वश्रेष्ठ मानकों तक पहुंचने के लिए टीम का पुनर्निर्माण और पुनर्गठन करना। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। यह आईपीएल नीलामी में किसी खिलाड़ी पर लगाई गई सबसे बड़ी बोली थी। पंत की कप्तानी में पिछले सीजन एलएसजी 14 में से महज 6 ही मैच जीत सकी। 12 अंकों के साथ यह टीम प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही। आईपीएल 2025 में पंत ने 14 मुकाबलों में 24.45 की औसत के साथ 269 रन बनाए थे, जिसमें नाबाद 118 रन की शतकीय पारी भी शामिल थी।आईपीएल 2026 के लिए एलएसजी ने पंत को 27 करोड़ रुपए में रिटेन किया, लेकिन इस सीजन टीम का प्रदर्शन और भी ज्यादा खराब रहा। एलएसजी 14 में से 10 मैच गंवा बैठी। टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर रही। इस सीजन पंत ने 28.36 की औसत के साथ 312 रन जुटाए। बतौर विकेटकीपर उन्होंने 10 कैच भी लपके।

WFI को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल्स में हिस्से लेने की दी इजाजत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। जानी-मानी भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को देश की सर्वोच्च अदालत से एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने विनेश फोगाट को आगामी एशियन गेम्स 2026 के लिए होने वाले सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की साफ मंजूरी दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी विनेश फोगाट के पक्ष में ही अपना फैसला सुनाया था, लेकिन उस आदेश को 'रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया' (WFI) ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए WFI की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया।

'उसने देश का सिर ऊंचा किया है': सुप्रीम कोर्ट की भावुक टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले में किसी भी तरह का दखल देने से साफ इनकार कर दिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रॉयल्स में उतरने का रास्ता साफ कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने विनेश फोगाट की तारीफ करते हुए एक बेहद भावुक और बड़ी टिप्पणी की. अदालत ने कहा कि विनेश फोगाट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का सिर हमेशा ऊंचा किया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा, अगर कोई और एथलीट होता तो बात शायद दूसरी होती, लेकिन विनेश ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, इस पूरे संवेदनशील मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर थोड़ी चिंता जरूर जताई कि हाईकोर्ट ने जिस तरह से इस पूरे मामले को संभाला और सुनवाई की, वो अलग हो सकता था। इसके बावजूद, शीर्ष अदालत ने विनेश फोगाट के हक में आए हाईकोर्ट के मुख्य आदेश को पूरी तरह बरकरार रखा और उसमें कोई बदलाव नहीं किया।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने किया घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान

कैरेबियाई टीम करेगी श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की मेजबानी

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ) (आरएनएस)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने साल 2026 के घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कैरेबियाई टीम श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी करेगी। घरेलू सीजन का मुख्य आकर्षण श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो-दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज होगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा होगी। घरेलू सीजन की शुरुआत जमैका में 3-14 जून तक श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के साथ होगी, जिसमें तीन वनडे और इतने ही टी20 इंटरनेशनल मैच होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 25-29 जून तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 3-7 जुलाई तक खेला जाना है। टेस्ट सीरीज के दोनों मुकाबलों की मेजबानी एंटीगुआ करेगा।इसके बाद कैरेबियाई टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेगी। 11, 13 और 16 जुलाई को शुरुआती तीन वनडे मुकाबलों की मेजबानी गुयाना करेगा, जबकि 19 और 21 जुलाई को होने वाले आखिरी दो वनडे मुकाबले बारबाडोस में खेले जाएंगे।

नॉर्वे चेसः प्रग्गनानंदा ने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को हराया

ओस्लो,(आरएनएस)। नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के राउंड तीन में एक और रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारतीय स्टार खिलाड़ी प्रग्गनानंदा रमेशबाबू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लासिकल चेस में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। प्रग्गनानंदा ने धीरे-धीरे एक लंबे गेम में कार्लसन को पीछे छोड़ दिया और ज्यादातर समय तक कंट्रोल में दिखे। हालांकि, समय की भारी कमी के कारण मैच का रुख बदल गया और कार्लसन ने इसका फायदा उठाते हुए बढ़त हासिल कर ली। कुछ देर बाद, नॉर्वे के स्टार ने दबाव में आकर एक बड़ी गलती कर दी, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोमराजू और टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरौजा ने एक तनावपूर्ण मुकाबले के बाद एक कड़ा क्लासिकल ड्रॉ खेला। फिरौजा ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल की और अतिरिक्त पॉइंट हासिल किए और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत शुरुआत बनाए रखी।विन्सेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच बचा हुआ क्लासिकल गेम भी एक संतुलित संघर्ष के बाद ड्रॉ पर खत्म हुआ। वेस्ली सो ने अतिरिक्त पॉइंट्स इकट्ठा करके आर्मागेडन गेम को अपने नाम कर लिया। तीसरे राउंड के बाद, फिरोजा एक और शानदार प्रदर्शन के बाद तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई हैं।नॉर्वे चेस विमेंस में एक बार फिर करीबी मुकाबले देखने को मिले। तीन क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए और फिर मैच के नतीजे का फैसला आर्मागेडन से हुआ। मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन और झू जिनर ने एक तनावपूर्ण मुकाबला खेला जो आखिर में ड्रॉ पर खत्म हुआ। झू जिनर ने एक समय अच्छी बढ़त बनाई हुई थी, लेकिन वह इसे जीत में नहीं बदल पाईं। झू ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल करके अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। एना मुजीचुक और हंपी कोनेरू ने भी एक संतुलित संघर्ष के बाद अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म किया।

आम महोत्सव आज और कल सेठानी घाट पर

झकई किस्म के आमों से पर्यटकों और आमजनों को अवगत कराया जाएगा

नर्मदापुरम(निप्र)। कृषि प्रधान जिले में खाद्यान्य के साथ साथ फलों के प्रति भी किसानों का अच्छा खासा रूझान है। बड़ी संख्या में किसान फलों का भी व्यवसाय करते

हैं। जिले में बड़ी संख्या में बगीचे हैं। नर्मदांचल के बाग बगीचों में लगे हुए आमों की प्रदर्शनी और आम महोत्सव का आयोजन पिछले अनेक वर्षों से जिले के अनेक स्थानों पर होता आ रहा है। जिले में आम की विविधता और स्वाद से लोगों को रूबरू कराने के लिए उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग एवं जिला प्रशासन नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वावधान में पिछले अनेक वर्षों से आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस बार 30 व 31 मई 2026 को नर्मदा तट के सेठानी घाट पर आम महोत्सव एवं सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है।उद्यानिकी विभाग की उप संचालक रीता उइके ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में निजी क्षेत्र, शासकीय फार्मों तथा प्राकृतिक रूप से उत्पादित आम की विभिन्न किस्में लंगड़ा, दशहरी, आम्रपाली, मल्लिका, चौसा, बाम्बेग्रीन, तोतापरी, अल्फांसो, केसर, हिमसागर, बादामी, सफेदा और मालगोआ जैसी विभिन्न किस्मों से पर्यटकों एवं आमजनों को अवगत कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त कृषकों, जनसामान्य एवं पर्यटकों से अपील की है कि 30 एवं 31 मई को सेठानी घाट पहुंचकर आम महोत्सव का लाभ उठाएं।

पंवारखेड़ा में बने लाजिस्टिक हब का उद्देश्य कब होगा पूरा?

- 88 हेक्टेयर कृषि भूमि में 2 अरब की लागत से बना है लाजिस्टिक हब
- 10 वर्ष पूर्व आए थे तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री हुआ था बड़ा समारोह

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। नर्मदांचल में सबसे अच्छी उर्वरा भूमि पंवारखेडा की मानी जाती है। वहां की भूमि का अपना एक अलग की महत्व है। तभी तो 123 वर्ष पूर्व पंवारखेड़ा में कृषि अनुसंधान केंद्र बनाया गया था। इस भूमि पर गेहूं के बीज का अनुसंधान होता रहा है। करीब 50 से अधिक बीज तैयार होना भी बताया जाता है। यहां पर कृषि विश्व विद्यालय बनना चाहिए था। नर्मदापुरम संभाग मुख्यालय और देश के प्रमुख रेलवे जंक्शन इटारसी के बीच एनएच 69 पर केंद्र शासन की योजना के तहत पंवारखेड़ा में 10 वर्ष पूर्व 30 मई को तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री स्व. अरूण जेटली ने लाजिस्टिक हब का लोकापर्ण किया था। जिस उद्देश्य के लिए यह हब बनाया गया है। उसकी पूर्ति के लिए 10 वर्ष होने के बाद भी सार्थक कदम नहीं हठाए गए हैं। कोल्ड स्टोरेज सहित अन्य तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जाने के सपने दिखाए गए। लेकिन क्षेत्र का दुर्भाग्य ही कहा जाए कि पंवारखेड़ा जैसी बहुउपयोगी व सबसे अधिक पैदावार देने वाली करीब 88 हेक्टेयर उर्वरा भूमि में ईट सीमेंट की गोदाम बना दी गई। आवश्यकता गोदाम की भी है। लेकिन जिले में पूरे मप्र में सबसे अधिक गोदाम पूर्व से जिले में ही बने हुए हैं।

बिछाई गई है रेलवे लाइन

हब के लिए केंद्र सरकार के द्वारा रेलवे लाइन बिछा दी गई लेकिन जिस उपयोग के लिए लाजिस्टिक हब की परिकल्पना की गई थी वह पूरी ना होकर गोदाम बन कर रह गया। जो सिर्फ मूंग, धान, गेहूं रखने के ही काम आ रहा है। जो कि अन्य गोदामों में भी रखे जा सकते हैं।

लाखों रूपये खर्च हुए थे आयोजन में

लाजिस्टिक हब के आयोजन में ही लाखों रूपये खर्च किए गए थे। जहां पर तीखी गर्मी में किसानों का सम्मेलन भी बुलाया गया था किसानों के हित में बड़ी बडी बातें हुई थी, खूब झूठ बोली गई थी। भाषण देने वाले मंच से उतरने के बाद गिरते गिरते बचे थे।

फाईल फोटो

कोल्ड स्टोरेज का दिखाया था सपना

कोल्ड स्टोरेज के साथ इस हब से किसानों की उपज, फल सब्जी व खाद्यान्य को रखकर किसानों को लाभांवित करने का प्लान बनाया गया था। वह सपना ही रह गया। फल-सब्जी और बागवानी फसलों का व्यवसाय करने वाले व्यापारियों को ट्रांसपोर्टिंग में सहूलियत देने का प्लान बनाया गया था। भोपाल-इंदौर की तर्ज पर हब में 40 हजार क्विंटल तक कोल्ड स्टोरेज किया जा सकेगा ऐसा कहा गया था। यह हब अभी पूरी तरह काम नहीं आ रहा है। अभी तक आधा अधूरा ही है।

25 एकड में आटा, मैदा, दाल, और आलू चिप्स की होना थी इकाइयां

सपने दिखाने के लिए प्लान तो यह भी बनाया गया था कि हब में 25 एकड में आटा, मैदा, दाल, और आलू चिप्स की उत्पादन इकाइयां खोली जाएंगी। हब में इन उत्पादों का सुरक्षित भंडारण भी किया जा सकेगा। जो ना जाने कब पूरा होगा। होगा भी या नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता है। इस हब से लगभग तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने की बातें कही गई थी। जो पूरी होना बांकी है।

ट्रांसपोर्ट नगर व कृषि आधारित उद्योग

हब के आसपास ट्रांसपोर्ट नगर व कृषि आधारित उद्योग लगाने की बड़ी बड़ी बातें भाषणों में कही गई थी जिस पर तालियां बजती रही थी। उस समय तो लोगों को उम्मीद भी जग रही थी क्योंकि बड़े-बडे गोदाम तो बन ही गए थे। लेकिन रैसलपुर के पास जो ट्रांसपोर्ट नगर की बातें हुई थी वह अधूरी ही रह गई हैं।

'एक नजर में कंपोजिट लॉजिस्टिक हब'

इस हब की लागत 210 करोड़ थी। पूरा हब 88 एकड़ में है फैला हुआ है। यहां पर अनाज फल की 35 हजार टन क्षमता है। इतने बड़े-बड़े गोदाम बनाए गए हैं कि पूरी मालगाड़ी खड़ी हो सके। 25 एकड़ में एग्रो और फूड प्रोसेसिंग के लिए स्थान आरक्षित किया गया है। 04 हजार मीट्रिक टन कोल्ड स्टोरेज की सुविधा बनाई गई।

बड़ा समारोह हुआ था

30 मई को ही तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री स्व. अरूण जेटली, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अनेक मंत्रियों की मौजूदगी में बड़ा समरोह हुआ था। जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान आए हुए थे।

कस्टम की स्वीकृति की बात कही गई थी

क्षेत्र के विशाल क्षेत्र में फैले कंपोजिट लॉजिस्टिक हब को कस्टम की स्वीकृति मिलने की बात कही गई थी। बुदनी के वर्धमान और ट्राइडेंट कंपनी के अलावा मंडीदीप के एचईजी का मटेरियल यहां से सीधे बंदरगाहों तक भेजा जाने का प्लान बनाया गया था।

उपज को निर्यात किया जाना था

हब के माध्यम से क्षेत्र के किसानों की उपज को भी सीधे निर्यात करने का प्लान बनाया गया था। दिखाने के लिए कुछ समय तक लॉजिस्टिक हब में फल, सब्जियों का स्टोरेज शुरू किया गया था। जो धीरे-धीरे बढ़ने की बजाय कम होता गया।

136 महिलाओं ने लिया स्वास्थ्य लाभ

ट्राइडेंट ग्रुप की सीएसआर पहल बनी ग्रामीण महिलाओं के लिए सहारा

नर्मदापुरम। बुधनी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर ट्राईडेंट ग्रुप की सीएसआर पहल के अंतर्गत मधुबन हॉस्पिटल द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं जागरूकता को समर्पित विशेष स्वास्थ्य अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभियान राजिंदर गुप्ता एवं मधु मैम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना और महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के तहत सभी महिला लाभार्थियों को नि:शुल्क ओपीडी परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही हीमोग्लोबिन, शुगर एवं थायरॉइड जांच नि:शुल्क की गई तथा उन्नत जांचों पर 30 प्रतिशत तक की छूट भी दी गई। अभियान के दौरान महुकला ग्वाडिया एवं पतालखो जैसे आसपास के गांवों में जागरूकता गतिविधियां चलाई गईं।

ऑटो रिक्शा घोषणाओं पंपलेट वितरण एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में ग्वाडिया गांव में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जहां महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा सेनेटरी पैड वितरण भी किया गया। इस शिविर में कुल 75 महिलाओं ने भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। पूरे अभियान के माध्यम से कुल 136 महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और जागरूकता की दिशा में ट्राइडेंट ग्रुप की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

खूब बजे बाजे, जमकर हुई आतिशबाजी, फूल मालाओं से लाद दिए

जवानी में काम संभाला, बुढ़ापे में घर, अनेक कर्मचारी हो गए सेवा निवृत्त
कम कर्मचारियों के बाद भी दूसरे को दिया जा रहा है प्रभार, ऐसे ही हो रही कामचलाऊ व्यवस्थाएं

नर्मदापुरम (निप्र)। शुक्रवार 29 मई को मुख्यालय के अनेक कार्यालयों के सामने दोपहर बाद से बाजे बजने शुरू हो गए थे। आतिशबाजी भी हो रही थी। अनेक लोग फूल मालाएं लेकर आ रहे थे। यह नजारा सेवानिवृत्त हो रहे शासकीय कर्मचारी के लिए हो रहा था। शासकीय सेवा में सेवानिवृत्ति का समय 62 वर्ष पूर्ण होने पर कर्मचारियों की विदाई किए जाने का नियम है। हर माह की अंतिम तारीख को किसी न किसी विभाग में कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति हो रही है। 30 और 31 को शासकीय अवकाश रहने के कारण दो दिन पूर्व अनेक विभाग से अनेक कर्मचारियों का कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हें विदाई दी गई। इस मौके पर आयोजित होने वाले विदाई वेला के समय एक बात कही गई कि क्या लेकर आए थे और क्या लेकर जा रहे हैं। इसका उत्तर शासकीय कर्मचारी दे रहे हैं कि जवानी लेकर आए थे और बुढ़ापा लेकर जा रहे हैं। शासन की सेवा के दौरान पूरी जवानी का समय शासकीय कार्य में लग गया है। प्राय: सभी विभागों में कर्मचारियों का अभाव बना हुआ है। अनेक विभागों में काम चलाऊ अर्थात संविदा आधारित कर्मचारियों से काम लिया जा रहा है। अब तो आउट सोर्स कर्मचारियों का जमाना आ गया है। वन विभाग, शिक्षा विभाग, नगर पालिका, सहित अनेक विभागों में सेवानिवृत्ति हुई। आज का दिन अनेक विभागों में विदाई समारोह की तैयारी में निकल गया। जिसकी विदाई हुई उसे भी अपने कार्यकाल के कागजातों की याद आती रही। तथा जो पेंशन के पात्र हैं उन्हें पेंशन से संबंधित प्रक्रिया पूरी करने में समय लगा।

62 नहीं 60 में ही होना चाहिए सेवानिवृत्ति की उम्र

शासन द्वारा 60 से बड़ाकर 62 की उम्र में सेवानिवृति तय की गई है। यह कोई अपढ़ लोगों ने नियम नहीं बनाया है तथाकथित पढ़े लिखे लोगों ने नियम बनाया है। इसमें राजनीति ज्यादा हावी रही है। कायदे से ऐसा करना बहुत ही गलत कदम है। जिसकी भी थी घटिया सोच का परिणाम है। सेवानिवृत्ती की उम्र कभी नहीं बढ़ानी चाहिए कम हो सके तो कर देना चाहिए। जिससे कि नए युवकों को सेवा का मौका मिल सके जिससे वे पूरे उत्साह के साथ कार्य कर सकें। 60 से बढ़ाकर 62 का निर्णय बेतुका वेढंगा है।

पहले से ही भार बढ़ता जा रहा प्रभार

प्राय: अनेक विभागों में बाबुओं के पास पहले से ही अनेक कार्य हैं। जब उसी विभाग का कोई कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है तो उसका प्रभार किसी अन्य बाबू को दिया जाता है जिसके पास पहले से ही अनेक काम का बोझ रहता है। उसको प्रभार देकर अतिरिक्त बोझ लाद दिया जाता है।

जनप्रतिनिधियों की पेंशन हो बंद

सेवानिवृत्ति वाले दिन अनेक विभागों में यह बात जोर देकर हो रही थी कि जिन कर्मचारियों ने कई वर्ष तक कार्य किए हैं उन्हें पेंशन नहीं मिले लेकिन जो जनप्रतिनिधि कुछ समय के लिए चुने गए उन्हें पेंशन मिलती रहेगी। उसे बंद किया जाना चाहिए।

नर्मदापुरम में विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह के तहत जागरुकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में तंबाकू और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के हानिकारक प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। तंबाकू उत्पादों एवं ई-सिगरेट से होने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। साथ ही चिकित्सालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों को कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में चिकित्सालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने और अपने कार्यस्थल को पूर्णत: तंबाकू मुक्त रखने की शपथ ली। अस्पताल परिसर में जगह-जगह पोस्टर और बैनर लगाकर मरीजों व स्टाफ को तंबाकू से होने वाले कैंसर, हृदय रोग व फेफड़ों की बीमारियों के बारे में सचेत किया गया।जिला चिकित्सालय स्थित तंबाकू निवारण केंद्र (Tobacco Cessation Centre) में तंबाकू की लत छोड़ने के लिए नि:शुल्क परामर्श और निकोटिन रिप्लेसमेंट टैबलेट उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में 25 मई से 31 मई 2026 तक विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान जिले भर में तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गहलोत के निर्देशन और सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कमले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आर.एम.ओ. डॉ. गजेंद्र यादव, दंत चिकित्सक एवं जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. रजनी कुशवाह, डॉ. अखिलेश सिंघल, डॉ. मिलन सोनी, डॉ. दिव्या पटेल, डॉ. इति वर्मा, डॉ. श्वेता कौशिक, तंबाकू निवारण केंद्र परामर्शदाता हेमलता पटेल, राजकुमार यादव सहित चिकित्सालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संभावित बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्य के लिए रिस्पांस टीम अलर्ट मोड पर रहे - संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ

बाढ़ एवं बारिश के पूर्व सभी पूल पुलिया एवं सड़कों पर वार्निंग के संकेतक बोर्ड लगाए जाएं

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिले नर्मदापुरम हरदा एवं बैतूल बाढ़ हाई रिस्क क्षेत्र हैं, अत: संभावित बाढ़ से बचाव के लिए रिस्पांस टीम, होमगार्ड जवान, एनडीआरफ, आपदा मित्र पुलिस फोर्स अलर्ट मोड में रहे। मानसून इस वर्ष अपेक्षा से थोड़ा कम रहेगा लेकिन इसके बावजूद बचाव एवं राहत की सभी तैयारियां अभी से सुनिश्चित की जाए। जहां वल्नरेबल पॉइंट है वहां विशेष सतर्कता बरती जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने शुक्रवार को बाढ़ निगरानी समिति की बैठक में दिए। बैठक में नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे। बैतूल कलेक्टर डॉक्टर सौरभ संजय सोनवणे एवं हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ऑनलाइन उपस्थित थे। संभाग आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य कार्यपालक यंत्री को निर्देश दिए कि वह बारिश एवं बाढ़ से पूर्व सभी पूल पुलिया एवं सड़कों पर वार्निंग के संकेतक बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए साथ ही जहां-जहां आवश्यकता है वहा-वहा बैरियर्स एवं बैरिकेडिंग भी करना सुनिश्चित करें।

खरीफ 2026 हेतु खाद उपलब्धता एवं भंडारण की समीक्षा बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। शुक्रवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में नर्मदापुरम जिले में आगामी खरीफ मौसम 2026 हेतु खाद की उपलब्धता एवं भंडारण संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह, उपायुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा, जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के प्रबंधक तथा जिला प्रबंधक म.प्र. राज्य कृषि उद्योग विकास निगम सोनू सैजकर उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में 2 जून से होगी डीएलएड परीक्षा, गोपनीय सामग्री के लिए मोबाइल ट्रैकिंग अनिवार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के आदेशानुसार सत्र 2025-26 की डीएलएड नियमित प्रथम एवं द्वितीय वर्ष 2026 की परीक्षाएं 2 जून 2026 से शुरू होंगी। परीक्षा सुबह 8:00 से 11:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसे लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण 30 मई 2026 को शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. नर्मदापुरम से किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर ने तहसीलदार (नगर) नर्मदापुरम श्रीमती सरिता मालवीय को कलेक्टर प्रतिनिधि अधिकृत किया है। सामग्री का वितरण जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में होगा।परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए इस बार प्रश्न पत्र थाने से परीक्षा केंद्र तक मोबाइल एप के जरिए ट्रैक किए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिनिधि को एप इंस्टॉल कर ट्रैकिंग करनी होगी। उक्त परीक्षा 2 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। जिसमें परीक्षा केन्द्र शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय नर्मदापुरम के लिए शशीकांत कुटारे पटवारी को कलेक्टर प्रतिनिधि एवं परीक्षा केंद्र शासकीय एस.एन.जी. विद्यालय, नर्मदापुरम के लिए आकाश बैरासी, पटवारी को कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है। आपात स्थिति के लिए तीन रिजर्व कलेक्टर प्रतिनिधि भी नियुक्त किए गए हैं, जिसमें महेन्द्र प्रताप मालवीय पटवारी, नितिन शर्मा पटवारी और देवेन्द्र कदम पटवारी शामिल है। जिला मुख्यालय पर डीएलएड की परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए कानून एवं व्यवस्था और नकल रोकने के लिए दोनों केंद्रों पर अलग-अलग उड़नदस्ते दल बनाए गए हैं। परीक्षा केन्द्र शासकीय कन्या उ.मा.वि. नर्मदापुरम के लिए सिटी मजिस्ट्रेट देवेन्द्र प्रताप सिंह को उडनदस्ता दल प्रभारी, नायब तहसीलदार नर्मदापुमरम शक्ति तोमर व थाना प्रभारी नर्मदापुरम प्रवीण चौहान को उडनदस्ता दल सदस्य के रूप में नियुक्त किया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यात्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (7141) कार्यालय 238326, Email- eephedbet@mp.nic.in

//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक 1234

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विकासखंड घोडाडोंगरी के विभिन्न ग्रामों/बसाहटों में 200 मि.मी. व्यास 300 मीटर गहरे नलकूप खनन कार्य हेतु निविदा, प्रतिशत दर पर दिनांक 01.09.2023 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	विकासखंड	नलकूप की संख्या	निविदा की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	24/2026-27/Dt.25.05.2026	2026_PHED_509609	घोडाडोंगरी	20	55.04	55040	10000	03 माह वर्षाकाल छोड़कर	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	:-	25.05.2026	11.00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	:-	08.06.2026	17.30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	:-	10.06.2026	11.00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेंगे।

जी/13583/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
बैतूल (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com